बुधवार, 14 जनवरी 2026

मौसम

तापमान 13 – 24
आर्द्रता 52%
सूर्योदय: 06:19 सूर्यास्त: 17:12

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, किसी भी दुस्साहस से प्रभावी तरीके से निपटा जाएगा: सेना प्रमुख पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, माघ कृष्णपक्ष एकादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : जिंदगी जिम्मेदारी है जिसे हम जीते कम हैं और निभाते ज्यादा है।

चुनाव आयोग ने भाजपा के एआई टूल किए इस्तेमाल, हर दिन बदल रहे एसआईआर के नियम : ममता

कहा... '54 लाख मतदाताओं को नहीं मिला पक्ष रखने का मौका'

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक बार फिर चुनाव आयोग (ईसीआई) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के आंकड़ों में नामों की विसंगति को दूर करने के लिए भाजपा के एआई टूल का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान जिन शादीशुदा महिलाओं ने अपना उपनाम बदला, चुनाव आयोग ने उनके नाम हटा दिए। इस दिन, राज्य सचिवालय नव्नान में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) को जवाब देना चाहिए कि वह आधे मतदाताओं के नाम कैसे हटा सकते हैं और यह कैसे तय कर सकते हैं कि सरकार कौन बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहा है और बिना कारण बताए एकतरफा तरीके से नाम हटा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग व्हाट्सएप के भरोसे चल रहा है और हर दिन कई बार एसआईआर के नियम बदल रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 54 लाख मतदाताओं के नाम एकतरफा तरीके से और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए हटा दिये गये। कहा कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काटे गये, उनमें से ज्यादातर 'वास्तविक मतदाता' थे। उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि उनके नाम क्यों काटे गये हैं। उन्होंने आगे सवाल किया कि एसआईआर के नियमों के अनुसार सूक्ष्म-पर्यवेक्षक (माइक्रो-ऑब्जर्वर) की अनुमति नहीं है, फिर भी इन्हें केवल बंगाल में तैनात किया गया। बिहार के एसआईआर में निवास प्रमाण पत्र की अनुमति है, तो बंगाल में क्यों नहीं। उन्होंने कहा, तथ्यात्मक असंगति मूल एसआईआर सत्यापन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थी, इसे बाद में जोड़ा गया।

मुख्यमंत्री का दावा, एसआईआर ने ले ली 84 जानें

मुख्यमंत्री ने दावा किया है कि राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले शुरू किये गये मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने अब तक 84 जानें ले लीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये आंकड़े मंगलवार सुबह तक के हैं। इसमें 17 लोगों की मौत ब्रेन स्ट्रोक से हुई और 4 लोगों ने आत्महत्या कर ली। टीएमसी सुप्रीमो ने दावा किया कि इन सभी लोगों की मौत एसआईआर नोटिस मिलने के बाद हुई है। ममता ने कहा है कि चुनाव आयोग को इन सभी मौतों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। भाजपा को भी इन सभी लोगों की मौत की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ममता कहा कि यहां तक कि दुर्योधन और दुशासन की इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

'फोर्ट विलियम में तैनात सेना के कमांडेंट भाजपा के इशारे पर एसआईआर का काम कर रहे'

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि फोर्ट विलियम स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान के मुख्यालय में तैनात कमांडेंट रैंक के एक अधिकारी भाजपा के इशारे पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम कर रहे हैं। अधिकारी की पहचान के बारे में और अधिक जानकारी दिए बिना मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सेना का यह अधिकारी राज्य में मतदाता सूचियों के विवादास्पद एसआईआर के मद्देनजर कमांड बेस का इस्तेमाल राजनीतिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहा है। वह वहां बैठकर भाजपा पार्टी कार्यालय का काम कर रहे हैं। मैं उनसे हाथ जोड़कर निवेदन करती हूं कि वे ऐसी गतिविधियों से बाज आएं।

गंगासागर मेला : अब तक 60 लाख तीर्थयात्री लगा चुके पवित्र डुबकी, आज से पुण्य स्नान

- शुभ मुहूर्त बुधवार की दोपहर 1.19 से गुरुवार की दोपहर 1.19 बजे तक
- सुरक्षा हेतु 1000 से अधिक सुरक्षा कर्मी, 1200 सीसीटीवी कैमरे

सागर, समाज्ञा : गंगासागर में हर साल मकर संक्रांति के मौके पर लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान करने पहुंचते हैं। लेकिन, इस साल मकर संक्रांति से पहले ही मंगलवार तक 60 लाख श्रद्धालु पावन डुबकी लगा चुके हैं। इस दिन, गंगासागर मेला कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्य के बिजली मंत्री अरूप विश्वास ने बताया कि मंगलवार की दोपहर 3 बजे तक 60 लाख लोग गंगासागर में स्नान कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि मकर संक्रांति के अवसर पर बुधवार को और अधिक भीड़ उमड़ सकती है। इसके लिए प्रशासन तैयार है। मंत्री ने बताया कि पुण्य स्नान का शुभ मुहूर्त बुधवार की दोपहर 1.19 से गुरुवार की दोपहर 1.19 बजे तक है। ऐसे में शुभ मुहूर्त में स्नान करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या और बढ़ सकती है। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से तैयारी कर ली गयी है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को जिला प्रशासन की एक बैठक भी हुई थी। विश्वास ने बताया कि कोलकाता से गंगासागर तक तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये है। कोलकाता से लॉट 8 और कचुबेरिया से गंगासागर जाने वाली बसों एवं छोटे वाहनों में जीपीएस लगाये गये हैं, ताकि उनकी स्थिति पर नजर रखी जा सके। इतना ही नहीं, वेसल बार्ज और स्टीमर में जीपीएस लगाया गया है। वहीं, सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए वाहन की स्पीड 40 किलोमीटर तक ही रखने का निर्देश दिया गया है। संवाददाता सम्मेलन में दमकल मंत्री सुजीत बोस, सुंदरवन विकास मंत्री बंकिम चंद्र हाजरा, मंत्री बेचाराम मन्ना, पीएचई मंत्री पुलक राय, सिचाई मंत्री मानस भुइयां, दक्षिण 24 परगना के जिलाधिकारी अरविंद कुमार मीणा,कोलकाता नगर निगम के आयुक्त व दक्षिण 24 परगना के पूर्व डीएम सुमित गुप्ता समेत अन्य लोग मौजूद थे।

गंगासागर को राष्ट्रीय मेला घोषित किया जाये : अरुप विश्वास

इस दौरान, मंत्री अरुप विश्वास ने कहा कि इतनी संख्या में लोग गंगासागर पहुंच रहे हैं। भीड़ लगातार बढ़ रही है। लेकिन, केंद्र सरकार गंगासागर को राष्ट्रीय मेला घोषित नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मेला घोषित किये जाने को लेकर राज्य सरकार की ओर से लगातार मांग की जा रही है। पर, केंद्र हमारी मांग नहीं मान रहा है, लेकिन एक दिन आम लोगों के दबाव में आकर गंगासागर को राष्ट्रीय मेला घोषित करना ही पड़ेगा।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

निपाह के दो मरीजों के संपर्क में आए 120 लोगों को क्वारंटाइन में भेजा गया

कोलकाता, समाज्ञा : निपाह से संक्रमित दो नर्सों के संपर्क में आने वालों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग सोमवार से शुरू हुई। मंगलवार तक 120 लोगों के बारे में जानकारी सामने आ चुकी थी। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नर्सें कटवा बाड़ी, नदिया बाड़ी, कटवा सब-डिवीजन अस्पताल, बर्दवान मेडिकल कॉलेज और बारासात के एक निजी अस्पताल के कुल 120 लोगों के संपर्क में आई थीं। उन 120 लोगों को 3 हफ़्ते के लिए क्वारंटाइन में भेज दिया गया है। निपाह के आरटी-पीसीआर टेस्ट के लिए स्पाइनल कॉर्ड, ब्लड, यूरिन और गले के स्वैब सैंपल लिए गए हैं। यह भी पता लगाया जा रहा है कि दोनों नर्सों के संपर्क में और कौन-कौन आया था। इस बीच, पूर्व बर्दवान के मंगलकोट में संक्रमित नर्स के घर को सील कर दिया गया है। आस-पास के इलाके को सैनिटाइज किया गया है। नर्स के बीमार पड़ने के बाद उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां उसकी देखभाल करने वाले डॉक्टरों और नर्सों को भी क्वारंटाइन में भेज दिया गया है। इस सूची में 4 नर्स, 2 डॉक्टर और एक एम्बुलेंस ड्राइवर शामिल हैं। उनकी स्वास्थ्य पर भी नजर रखी जा रही है।

चांदी ने 2.71 लाख रुपये प्रति किलो का नया शिखर छुआ, सोना 1.45 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमतें 6,000 रुपये उछलकर 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं जबकि स्टॉकिस्टों की लगातार खरीदारी के बीच सोना 1,45,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त जारी रखी और 6,000 रुपये यानी 2.3 प्रतिशत उछलकर 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों समेत) पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी 15,000 रुपये यानी छह प्रतिशत की जबर्दस्त उछाल के साथ 2,65,000 रुपये प्रति किग्रा के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। यह शुक्रवार को 2,50,000 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। मंगलवार की बढ़त के साथ चांदी पिछले तीन कारोबारी सत्रों में कुल 21,000 रुपये यानी 8.4 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगा चुकी है।

भारत ने संभाली ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता

विदेश मंत्री जयशंकर ने थीम और लोगो का किया शुभारंभ

नयी दिल्ली : भारत ने मंगलवार को आधिकारिक रूप से ब्रिक्स आर्थिक समूह की अध्यक्षता संभाल ली। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक अस्थिरता और बदलती चुनौतियों के बीच भारत ने 10 सदस्यीय इस समूह की अपनी अध्यक्षता को नए दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने का संकेत दिया है। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत की ब्रिक्स 2026 अध्यक्षता की आधिकारिक थीम, लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ किया। जयशंकर ने कहा, पिछले दो दशकों में ब्रिक्स उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है। समय के साथ इस समूह का एजेंडा और सदस्यता दोनों बढ़ी हैं, ताकि बदलती वैश्विक परिस्थितियों का सामना किया जा सके। इसके बावजूद ब्रिक्स का फोकस हमेशा लोगों को केंद्र में रखकर विकास, संवाद और व्यावहारिक सहयोग पर बना रहा है। उन्होंने कहा, भारत ब्रिक्स अध्यक्षता को मानवता पहले और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाएगा। भारत की अध्यक्षता का थीम है लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण। यह थीम इस विश्वास को दर्शाती है कि ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग से साझा वैश्विक चुनौतियों का संतुलित और समावेशी समाधान संभव है।

नितिन नवीन अगले सप्ताह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए कर सकते हैं नामांकन दाखिल

नयी दिल्ली : भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के अगले सप्ताह पार्टी अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल करने की संभावना है। बिहार के पांच बार के विधायक को पिछले साल 14 दिसंबर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जो सत्तारूढ़ दल में पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। उनके निर्विरोध चुने जाने की संभावना है क्योंकि पार्टी के किसी अन्य नेता की दावेदारी की संभावना नहीं के बराबर है। भाजपा के एक सूत्र ने बताया, ''चुनाव के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किया जाएगा।'' सूत्रों के मुताबिक, यदि जरूरत पड़ी तो चुनाव यहां पार्टी मुख्यालय में कराया जाएगा।

विधवा पुत्रवधू अपने ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण पाने की हकदार: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि हिंदू कानून के तहत यदि कोई महिला अपने ससुर की मृत्यु के बाद विधवा हो जाती है, तो वह उसकी संपत्ति से भरण-पोषण का दावा करने की हकदार है। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और एसवीएन भट्टी की पीठ ने फैसला सुनाया कि हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम (एचएएमए) 1956 के तहत महिला को आश्रित का दर्जा देने के लिए पति की मृत्यु का समय (चाहे वह ससुर की मृत्यु से पहले हो या बाद में) अप्रासंगिक है। फैसला सुनाने वाले न्यायमूर्ति मिथल ने निष्कर्षों को सरल शब्दों में बताते हुए कहा, मृत हिंदू के सभी उत्तराधिकारी उसकी संपत्ति से प्राप्त धन/संपत्ति से उसके आश्रितों का भरण-पोषण करने के लिए बाध्य हैं। न्यायालय ने कहा, हमारा स्पष्ट मत है कि मृत हिंदू व्यक्ति के 'पुत्र की कोई विधवा' अधिनियम की धारा 21 (सात) के अर्थ में आश्रित है और अधिनियम की धारा 22 के तहत भरण-पोषण का दावा करने की हकदार है। इसमें कहा गया है कि पुत्र या कानूनी वारिस विरासत में मिली संपत्ति में से सभी आश्रित व्यक्तियों का भरण-पोषण करने के लिए बाध्य हैं; अर्थात, वे सभी व्यक्ति जिनका भरण-पोषण करने के लिए मृत व्यक्ति कानूनी और नैतिक रूप से बाध्य था। पीठ ने कहा, ''अत: पुत्र की मृत्यु के बाद अगर विधवा पुत्रवधू स्वयं या मृतक पुत्र द्वारा छोड़ी गई संपत्ति के माध्यम से अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हो तो ससुर का यह कर्तव्य है कि वह उसका भरण-पोषण करे। इसमें कहा गया है, इस अधिनियम में ससुर के अपनी विधवा पुत्रवधू के भरण-पोषण के उपरोक्त दायित्व को समाप्त करने का प्रावधान नहीं है, चाहे वह ससुर की मृत्यु से पहले या बाद में विधवा हुई हो।

दिसंबर में रूस से तेल खरीदने में भारत तीसरे स्थान पर खिसका, रिलायंस ने की भारी कटौती

नयी दिल्ली : रिलायंस इंडस्ट्रीज और सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरियों द्वारा कच्चे तेल के आयात में भारी कटौती के बाद दिसंबर 2025 में रूस से इस ईंधन को खरीदने के मामले में भारत तीसरे स्थान पर आ गया है। यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार भारत द्वारा रूस से कुल हाइड्रोकार्बन आयात दिसंबर में 2.3 अरब यूरो रहा, जो पिछले महीने के 3.3 अरब यूरो से कम है। रिपोर्ट में कहा गया, ''तुर्की भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया, जिसने रूस से दिसंबर में 2.6 अरब यूरो के हाइड्रोकार्बन खरीदे।'' चीन शीर्ष खरीदार बना रहा, जिसकी रूस के शीर्ष पांच आयातकों से होने वाली निर्यात आय में 48 प्रतिशत (छह अरब यूरो) की हिस्सेदारी रही।

आसनसोल में अवैध कोयला खदान धंसने से तीन की मौत, दो घायल

आसनसोल : कुल्टी थाना क्षेत्र के बोडरा इलाके में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बीसीसीएल की एक ओपन कास्ट खदान में अवैध रूप से कोयला निकालने के दौरान अचानक जमीन धंस गई। इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई जबकि कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। खबर लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई थी। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब 7.45 बजे कुछ लोग खदान के भीतर अवैध तरीके से कोयला निकाल रहे थे। इसी दौरान खदान की कमजोर दीवार और ऊपर जमी मिट्टी अचानक धंस गई। कुछ ही पलों में चारों ओर धूल का गुबार फैल गया और चीख-पुकार मच गई। आस-पास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू करने की कोशिश की और पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद अब तक खदान से चार लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। इनमें से दो की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, दो अन्य लोगों के मृत होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मृतकों में एक महिला भी शामिल है। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी तक मौतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। भारी मशीनों, विशेषकर पोकलेन मशीन की मदद से मिट्टी और मलबा हटाया जा रहा है ताकि दबे लोगों तक पहुंचा जा सके। मृतकों और घायलों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कुल्टी थाना पुलिस के साथ-साथ सीआईएसएफ की बड़ी टुकड़ी को मौके पर तैनात किया गया है।

जम्मू कश्मीर: आतंकवाद से संबंध के संदेह में पांच और सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवादी गतिविधियों से कथित संबंधों के आधार पर मंगलवार को पांच और सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दीं। उपराज्यपाल प्रशासन ने वर्ष 2020 से अब तक आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने के संदेह में कुल 85 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया है।एक अधिकारी के अनुसार, यह कदम सरकारी तंत्र के भीतर मौजूद आतंकवादी नेटवर्क और उसके बुनियादी ढांचे को जड़ से समाप्त करने की रणनीति का हिस्सा है। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में शिक्षक मोहम्मद इशफाक, प्रयोगशाला तकनीशियन तारिक अहमद राह, पीएचई विभाग के सहायक लाइनमैन बशीर अहमद मीर, वन विभाग के फील्ड वर्कर फारूक अहमद भट तथा स्वास्थ्य विभाग के चालक मोहम्मद यूसुफ शामिल हैं।अधिकारियों ने बताया कि इन सभी को संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत सेवा से हटाया गया है, जिसके अंतर्गत राज्य की सुरक्षा के हित में बिना औपचारिक जांच के बर्खास्तगी की जा सकती है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, शिक्षक मोहम्मद इशफाक पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और उसके एक कमांडर के संपर्क में था। सुरक्षा एजेंसियों ने समय रहते उसे गिरफ्तार कर लिया था।इसी तरह, तारिक अहमद राह पर हिज्बुल मुजाहिदीन के लिए काम करने और आतंकवादी को सीमा पार कराने में मदद का आरोप है। बशीर अहमद मीर, फारूक अहमद भट और मोहम्मद यूसुफ पर भी आतंकवादी संगठनों को सहयोग देने के गंभीर आरोप सामने आए हैं।

ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत शुल्क की धमकी दी, भारत पर पड़ सकता है असर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के साथ ''व्यापार करने वाले'' किसी भी देश को अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा। इस कदम का भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे ईरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों पर असर पड़ सकता है। ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, ''तत्काल प्रभाव से इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को अमेरिका के साथ किए जाने वाले सभी प्रकार के व्यापार पर 25 प्रतिशत का शुल्क देना होगा। यह आदेश अंतिम और निर्णायक है।'' ट्रंप ने कहा है कि ईरान अब ''सीमाएं लांघ रहा'' है और इसी वजह से उन्हें और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को ''कठोर विकल्पों'' पर विचार करना पड़ रहा है। ईरान के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में चीन, तुर्किये, भारत, यूएई, पाकिस्तान और आर्मेनिया शामिल हैं। ट्रंप की इस घोषणा का असर भारत पर पड़ सकता है जो हाल के वर्षों में ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है।

अमेरिका में 2025 में 8,000 छात्र वीजा समेत 1,00,000 वीजा रद्द किए गए

अमेरिका में आपराधिक गतिविधि का हवाला देकर आप्रवासियों के खिलाफ की गई व्यापक कार्रवाई के तहत 2025 में 8,000 छात्र वीजा समेत एक लाख से अधिक वीजा रद्द कर दिए गए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का कहना है कि उसने जन सुरक्षा या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले विदेशी नागरिकों से अमेरिका की रक्षा करने की अपनी आव्रजन नीति के तहत एक नया रिकॉर्ड बनाया है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिका को सुरक्षित बनाने के लिए हम इन ठगों को प्रत्यर्पित करते रहेंगे।

दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप हो

देश में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार और समाज के स्तर पर चिंताएं तो व्यक्त की जाती हैं लेकिन इन्हें रोकने के लिये कारगर उपाय सिरे चढ़ते नजर नहीं आते। इस बारे में बार-बार वायदे किए जाते हैं, वहीं सुधार के लिये टुकड़ों-टुकड़ों में हस्तक्षेप किया जाता है। फलत: परिणाम वही ढाक के तीन पात रहता है। यह आंकड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में हर साल 1.6 लाख से अधिक मौतें सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। विडंबना देखिए कि किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के मुकाबले सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा लोगों की जान ले लेती हैं। हाल ही में सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के लिये किए गए सर्वेक्षण में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। संस्था द्वारा वर्ष 2023 व 2024 में 100 जिलों में सड़क दुर्घटनाओं पर किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम छह बजे से रात नौ बजे तक समय सड़क हादसों के लिये सबसे घातक होता है। इसके अलावा दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिये 18 सड़क गलियारों की पहचान की गई है, जिनमें सर्वेक्षण अवधि में सबसे अधिक मौते हुई थीं। इसके साथ ही दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील सौ जिलों में ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया है। निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य पहल है। यह जानते हुए कि दुर्घटना रोकने के लिये सामान्य सलाह और एक समान नीतियां लक्ष्य हासिल करने में विफल रही हैं। यकीनी तौर पर दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप बदलाव लाने के लिये बेहतर दृष्टिकोण साबित हो सकता है। बहुत संभव है कि एक खराब ढंग से डिजाइन किया गया मोड़, सड़क पर पर्याप्त रोशनी का न होना, प्रवर्तन में शिथिलता तथा ड्राइविंग में लापरवाही की आदतें, किसी क्षेत्र या जिला विशेष में सड़क दुर्घटनाओं की वजह हो सकती है। निश्चित तौर पर उच्च मृत्यु दर वाले गलियारों का मानचित्रण अधिकारियों को, उन क्षेत्रों में इंजीनियरिंग सुधार, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल तैनात करने में सहायक हो सकता है।

निस्संदेह, साक्ष्य और अतीत के अनुभव बताते हैं कि लक्षित प्रवर्तन बेहतर परिणाम दे सकता है। बंगलुरू का अनुभव बताता है कि लक्षित प्रयासों से वहां लगातार दूसरे वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के बावजूद मृत्यु दर में कमी आई है। जो इन प्रयासों की सार्थकता को दर्शाता है। निस्संदेह, अन्य शहरों को भी डेटा आधारित पुलसिंग, सीसीटीवी निगरानी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिये इस मॉडल को अपनाना होगा। इसमें दो राय नहीं कि केंद्र सरकार की योजना तभी सफल होगी, जब वह पहचान और प्रतीकात्मकता से आगे बढ़कर काम करे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी पिछली कोशिशें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल न होने से विफल रही हैं। इन सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिये निरंतर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने, कार्यान्वयन एजेंसियों की जवाबदेही तय करने के साथ ही परिणामों का नियमित ऑडिट करना आवश्यक है। इस बाबत सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यों को कार्रवाई करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहिए। वैसे सिर्फ राजमार्गों पर ही ध्यान केंद्रित करने के भी कई खतरे हैं। यह जानते हुए कि देश में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का मुश्किल से 2 से तीन प्रतिशत हिस्सा ही है। लेकिन ट्रैफिक की गति की तीव्रता के चलते इन पर होने वाली मौतों की संख्या कहीं ज्यादा है। साल 2025 की पहली छमाही ही में करीब छब्बीस हजार से अधिक मौतें हुई हैं। वास्तव में शहरी सड़कें, जहां पैदल यात्री,साइकिल चालक और दोपहिया वाहन चालकों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या का बड़ा हिस्सा है, वे अक्सर उपेक्षित रह जाती हैं। इन सड़कों को बेहतर बनाने के लिये निवेश बढ़ाए जाने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षित डिजाइन तैयार करने, वाहनों की गति का प्रबंधन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट बांधना सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन देखभाल व्यवस्था को साथ-साथ लागू करने की भी आवश्यकता है।

कार्ययोजना के हाशिये से निर्णय के केंद्र तक: प्रगति और मिजोरम की रेल अवसंरचना

श्री वरूण अधिकारी

जब मैं 2015 में बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना में शामिल हुआ, तो मुझे लगता था कि यह देश के ऐसे हिस्से में कदम रखने जैसा है, जिस पर शायद ही कभी राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान दिया गया हो। यह सफ़र खुद ही अपनी कहानी कहता है। राष्ट्रीय राजमार्ग-154, जिसे अब राष्ट्रीय राजमार्ग-06 कहा जाता है, एकमात्र पहुंच मार्ग था, जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त था और भरोसे के लायक नहीं था। भारी ट्रक अक्सर कई दिनों तक फंसे रहते थे और निकटवर्ती स्थानों की यात्रा हिचकोलों से भरी होती थी। आस-पास की पहाड़ियाँ छोटी, कमजोर और अस्थिर थीं, जिनका आकार तीव्र वर्षा और निरंतर ढलान गति के कारण बदलता रहता था। कागज पर, परियोजना ऐतिहासिक थी, राष्ट्रीय नेटवर्क से मिजोरम का पहला रेल-परिवहन संपर्क, जो पहाड़ों, तीव्र ढलान और गहरी घाटियों को काट कर तैयार किया जा रहा था।

हालाँकि, ज़मीनी स्तर पर प्रगति बहुत धीमी थी। सामग्री की अनुपलब्धता, श्रम की कमी, परिवहन में विलंब, स्थानीय बाधाएं और लगातार स्थगित निर्णयों के कारण कार्यस्थल पर काम न होना आम बात थी। एक सुरंग डिज़ाइन सलाहकार और भूविज्ञानी के रूप में, भूविज्ञान कार्य चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसकी गंभीरता समझी जा सकती थी। जो बात वास्तव में अधिक कठिन साबित हुई, वह थी - संस्थागत निष्क्रियता। परियोजना देश के सबसे दूर-दराज के क्षेत्र में स्थित थी। समीक्षा छिटपुट थी। निर्णय लेने का अधिकार मंत्रालयों, राज्य विभागों और एजेंसियों में बिखरा हुआ था। धीरे-धीरे, एक असहज सच्चाई स्पष्ट होने लगी: ऐसा प्रतीत होता था कि कोई भी वास्तव में यह उम्मीद नहीं करता था कि परियोजना निकट भविष्य में पूरी होगी। फिर, शांतिपूर्वक और बिना किसी घोषणा के, पूरी प्रणाली में अचानक तेजी आयी। परियोजना कार्यालयों में एक स्पष्ट तत्परता का भाव दिखने लगा। फोन बार-बार बजने लगे। वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से कार्यस्थलों का दौरा करने लगे। लंबे समय से लंबित फाइलों को तुरंत सामने लाया गया, उनकी समीक्षा की गई और उन्हें दूसरी जगहों पर भेजा गया। बैठकें तेजी से व नियमित रूप से निर्धारित की जाने लगीं, अक्सर उन एजेंसियों को भी शामिल किया गया, जो पहले अलग-थलग रहकर काम करती थीं।

एक निजी सलाहकार के रूप में, मैं प्रशासनिक विभाग का हिस्सा नहीं था और किसी ने भी गतिविधि में आयी इस अचानक तेजी के पीछे का कारण नहीं बताया। लेकिन बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं के लंबे अनुभव ने मुझे संकेत की पहचान करना सिखा दिया था। यह सामान्य दबाव नहीं था। यह शीर्ष स्तर पर निरीक्षण की तैयारी थी।

जल्द ही कारण स्पष्ट हो गया: बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना की समीक्षा पीएम की अध्यक्षता वाले सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन (प्रगति) मंच के तहत निर्धारित की गई थी। परियोजना लंबे समय तक हाशिये पर रही, लेकिन प्रगति के अंतर्गत समीक्षा से प्राधिकार व जवाबदेही तय हुई और हर लंबित मुद्दे तथा एजेंसियों के बीच अड़चनों के सम्बन्ध में वास्तविक समय पर जांच की व्यवस्था की गयी। इस बैठक के बाद निर्णय मेल खाने लगे, और प्रगति दिखाई दी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि किस प्रकार शासन अक्सर परिणाम तय करता है।

मार्च 2016 की प्रगति समीक्षा बैठक ने परियोजना के आयाम में मूलभूत बदलाव किये। इस रूपरेखा के तहत, समस्याओं की अलग-अलग जाँच नहीं की जा सकती थी और न ही उन्हें अनिश्चितकाल के लिए टाला जा सकता था। एन-एच-06 की अत्यंत खराब हालत अब रेलवे के कार्य क्षेत्र के बाहर नहीं मानी जा रही थी। स्पष्ट समयसीमा और निरंतर निगरानी के साथ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को मरम्मत और सुधार कार्य करने का निर्देश दिया गया। भूमि अधिग्रहण में देरी को अब केवल सामान्य प्रशासनिक बाधाओं के रूप में नहीं देखा जा रहा था; मिजोरम सरकार को समाधान तेज करने का निर्देश दिया गया और प्रगति पर निगरानी रखी गई। कानून और व्यवस्था से संबंधित मुद्दों को औपचारिक रूप से क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण जोखिम माना गया और उन पर कड़ी निगरानी रखी गयी।

व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि निर्णयों का समन्वय ही वह बात थी, जो सबसे अधिक ध्यान खींचती थी। प्रगति के तहत, एजेंसियां अब अलग-थलग रहकर काम नहीं कर सकती थीं। जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं, समन्वय को अनिवार्य किया गया और अनुवर्ती कार्यों में निरंतरता लाई गयी। इसका असर तुरंत दिखा, कटकहल-बैराबी खंड को मार्च 2016 में चालू किया गया, जिससे माल ढुलाई संभव हुई और पहुंच, लॉजिस्टिक्स और योजना में सुधार हुआ।

जैसे-जैसे महीने बीतते गए, यह स्पष्ट हो गया कि प्रगति संस्थागत व्यवहार को बदल रही थी। समीक्षा अब देरी की व्याख्या करने से हटकर उन्हें हल करने पर केंद्रित हो गई और रिपोर्ट के स्थान पर तस्वीरों, समयरेखाओं और स्थल अवस्थिति डेटा का उपयोग होने लगा। डिजिटल निगरानी यह सुनिश्चित करती थी कि एक बार उठाए गए मुद्दे तब तक चर्चा में बने रहें जब तक कि उनका समाधान न हो जाए। इस अनुशासन से पूरी प्रणाली में काम करने के तरीके बदल गये। इंजीनियर अधिक निर्णायक हो गए, ठेकेदार अधिक जवाबदेह बन गये तथा राज्य और केंद्रीय एजेंसियां अधिक निकटता से समन्वय करने लगीं, क्योंकि हिस्सों में काम करने को अब सहन नहीं किया जाता था। जमीनी स्तर पर, प्रभाव स्पष्ट था। सुरंग खुदाई पहले छिटपुट तरीके से की जा रही थी। जटिल भूविज्ञान, टूटे हुए चट्टान, संरचनात्मक बदलाव क्षेत्र, पानी का रिसाव और कमजोर स्तरों के बावजूद अब खुदाई के काम में लगातार प्रगति होने लगी। समर्थन प्रणालियों और डिज़ाइन संशोधनों के लिए अनुमोदन महीनों की बजाय हफ्तों में होने लगे। गहरी घाटियों में पुलों का निर्माण होने लगा, कुछ सत्तर मीटर से अधिक ऊँचे थे, जो सैकड़ों किलोमीटर दूर लिए गए निर्णयों को कार्यस्थल पर कंक्रीट और स्टील में बदल रहे थे। यहां तक कि कोविड-19 अवधि के दौरान भी, यही व्यवस्था निरंतरता सुनिश्चित करती रही; श्रम की कमी, संविदात्मक विवाद और कार्यान्वयन चुनौतियों पर कड़ी निगरानी रखी गई, और परियोजना धीमी हुई, लेकिन भटकाव नहीं हुआ। समय के साथ, उपलब्धि का पैमाना स्पष्ट हो गया: लगभग एक-तिहाई मार्ग को कवर करने वाली पैंतालीस सुरंगें, 150 से अधिक पुल, सुरंग खंडों के माध्यम से बिना बालास्ट वाला ट्रैक, और देश के सबसे चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में से एक में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की डिजाइन गति की सुविधा। चार नए स्टेशन होर्टोकी, काउनपूई, मुअलखांग, और सैरांग लंबे समय से अलग-थलग समुदायों की सेवा के लिए तैयार हुए। इंजीनियरिंग से परे, परियोजना ने एक गहरी सच्चाई को उजागर किया। नाज़ुक भूविज्ञान को प्रबंधित किया जा सकता है, मानसून को ध्यान में रखते हुए योजना बनाई जा सकती है और लॉजिस्टिक्स को मजबूत किया जा सकता है। अंततः परिणामों को निर्धारित करने वाली चीज़ है शासन -संस्थाओं में समन्वय करने, निर्णय लेने और कार्रवाई करने की क्षमता।

पूर्वोत्तर में परियोजनाओं पर इसके प्रभाव से परे, प्रगति पोर्टल का देशव्यापी विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, क्योंकि निर्णय लेने में तेजी और बेहतर समन्वय ने पूरे देश में अवसंरचना के निरंतर विस्तार का समर्थन किया है। हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में, कैबिनेट सचिव ने प्रगति व्यवस्था के प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रगति व्यवस्था के तहत 382 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा कर चुके हैं। प्रगति इकोसिस्टम से 85 लाख करोड़ रुपये (लगभग 850 बिलियन डॉलर) से अधिक मूल्य की अवसंरचना परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आयी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस अवधि के दौरान अवसंरचना परियोजनाओं के खर्च में भी तेज़ वृद्धि देखी गई है, जिसका पूंजीगत व्यय 2014-15 के 1.97 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 11.21 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान तक पहुँच गया, जो पाँच गुनी से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। केन्द्रीय बजट में हिस्सेदारी के रूप में, अवसंरचना पूंजीगत व्यय लगभग 12 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 22 प्रतिशत हो गया। कैबिनेट सचिव के अनुसार - प्रगति एक व्यापक, एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम के हिस्से के रूप में कार्य करती है, जिसमें पीएम गति शक्ति, परिवेश और परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) शामिल हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो, जमीन पर किए गए अवलोकन, स्थानिक परिणाम और वित्तीय संकेतक साथ मिलकर दर्शाते हैं कि भारत में अवसंरचना व्यय को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया गया है और प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया गया है, जिससे राष्ट्रीय विकास में एक स्थिर योगदानकर्ता के रूप में इसकी भूमिका मजबूत हुई है।

(लेखक एक मुख्य इंजीनियरिंग भूविज्ञानी हैं, जिनके पास भारत में जटिल भूमिगत अवसंरचना परियोजनाओं में 17 वर्षों से अधिक का अनुभव है)

सांस्कृतिक रूप से एकता के सूत्र में बांधने वाला पर्व मकर संक्रांति

अशोक प्रवृद्ध

उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित भारत के अधिकांश पर्व-त्यौहार, व्रत, शुभ तिथियां चंद्रमा की गति को आधार मानकर भारतीय पंचांग के चांद्र मास के आधार पर निर्धारित किये व मनाये जाते हैं, लेकिन सूर्य की गति को देखकर सौर्य मास के आधार पर मनाया जाने वाला पर्व है- मकर संक्रांति। वर्ष भर में सूर्य के बारह राशियों -मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन- में भ्रमण करने के क्रम में सूर्य के धनु से मकर राशि में प्रवेश करने की ख़ुशी में मनाया जाने वाला ऋतु पर्व है- मकर संक्रांति। ऋतु पर्व मकर संक्रांति दो ऋतुओं का संधिकाल है। यह शीत ऋतु के समाप्त होने और वसंत ऋतु के प्रारंभ होने का सूचक, द्योतक व प्रतीक है। मकर संक्रांति का महत्त्व सूर्य के उत्तरायण हो जाने के कारण है। शीतकाल के समाप्त होने पर सूर्य मकर रेखा का संक्रमण करते अर्थात काटते हुए उत्तर दिशा की ओर अभिमुख हो जाता है, इसे ही उत्तरायण कहा जाता है। दरअसल, मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के उत्तरायण होने और मकर राशि में प्रवेश करने के शुभ अवसर पर मनाया जाने वाला त्यौहार है, जो देवताओं के दिन अर्थात देवयान की शुरुआत और शीतकाल के अंत का प्रतीक है। इस अवसर पर ज्ञान, आध्यात्मिक प्रकाश, बुद्धिमत्ता आदि के स्वामी सूर्य की पूजा, शुभ कार्य, स्नान- दान का विशेष महत्व है। यह सामाजिक सद्भाव के साथ ही रबी के नई फसल के आगमन और कृषि चक्र की शुरुआत का प्रतीक है, जिससे कृषक प्रसन्न होकर परमात्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। भगवान को धन्यवाद देते हैं और अपनी अनुकम्पा को सदैव लोगों पर बनाये रखने का आशीर्वाद मांगते हैं। मकर संक्रांति का त्यौहार तिथिवाचक न होकर अयन वाचक है। इस दिन सूर्य का मकर राशि में संक्रमण होता है। सूर्यभ्रमण के कारण होने वाले अंतर की पूर्ति करने हेतु प्रत्येक अस्सी (कुछ गणना 72 वर्ष बताते हैं) वर्ष में संक्रांति का दिन एक दिन आगे बढ़ जाता है। साधारणतः मकर संक्रांति 14 जनवरी को होती है। पिछले कुछ वर्षों से मकर संक्रांति का पर्व कभी 14 तो कभी 15 जनवरी को मनाया जाता रहा है। ज्योतिषीय आकलन के अनुसार सूर्य का धनु से मकर राशि में प्रवेश अर्थात संक्रमण प्रतिवर्ष 20 मिनट के विलंब से होता है। हर तीन वर्ष के बाद सूर्य एक घंटे बाद और हर 72 वर्ष में एक दिन की देरी से मकर राशि में प्रवेश करता है। झारखण्ड के गुमला जिले के प्राचीन ग्राम मुरुनगुर वर्तमान मुरगु ग्राम निवासी पुरोहित व ज्योतिषाचार्य पं. विनोदानंद पाठक के अनुसार 14 जनवरी को मकर संक्रांति पहली बार 1902 में मनाई गई थी। इसके पूर्व 18वीं सदी में 12 और 13 जनवरी को मनाई जाती थी। वहीं 1964 में मकर संक्रांति पहली बार 15 जनवरी को मनाई गई थी। इसके बाद हर तीसरे वर्ष अधिकमास होने से दूसरे और तीसरे वर्ष 14 जनवरी को, चौथे वर्ष 15 जनवरी को मनाई जाने लगी। इस तरह 2077 में आखिरी बार 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई जाएगी। इस वर्ष 2026 में ग्रहों के राजा सूर्य 14 जनवरी को दोपहर में 3:13 बजे मकर राशि में गोचर करेंगे। इसलिए इसी दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी।

सामान्यत: सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश धार्मिक, आध्यात्मिक व साधकीय दृष्टि से अत्यंत फलदायक है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण क्रिया छः-छः माह के अंतराल पर होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर 6 महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है। और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार एक वर्ष में कुल 12 संक्रांतियां आती हैं। इनमें से मकर संक्रांति का महत्त्व सर्वाधिक है, क्योंकि यहीं से उत्तरायण का पुण्य, पवित्र व शुभ काल आरंभ होता है। उत्तरायण को देवताओं के काल के रूप में पूजा जाता है। वैसे तो इस संपूर्ण काल को ही पवित्र माना जाता है, परंतु इस अवधि का महत्त्व कुछ ज्यादा है। इसके बाद से उत्तर भारत में बढ़ी हुई सर्दी कुछ कम होने लगती है। और त्यौहार आदि आरंभ होते हैं। शीत ऋतु के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक मकर संक्रांति का यह पर्व सूर्योपासना, फसल कटाई, नए मौसम के स्वागत, खिचड़ी, तिल-गुड़ आदि के दान-पुण्य व सेवन और नदी स्नान, पतंगबाजी आदि सांस्कृतिक उत्सवों के माध्यम से मनाया जाता है, जिससे सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक लाभ की कामना की जाती है।

पौराणिक मान्यताओं में सक्रांति को देवता माना गया है। मान्यतानुसार संक्रांति ने संकरासुर दानव का वध किया था। किंक्रांति संक्रांति का अगला दिन होता है। इस दिन देवी ने किंकरासुर का वध किया था। यह पौराणिक कथा इसे देवी संक्रांति की बुराई पर विजय से जोड़ती है, जो विजय और नवीनीकरण के प्रतीक को पुष्ट करती है। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार मकर संक्रांति के दिन ही गंगा भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। मान्यतानुसार इस दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र मकर राशि के स्वामी शनिदेव से मिलने स्वयं उनके घर जाते हैं, अर्थात मकर राशि में संक्रमण कर जाते हैं, जिससे पिता-पुत्र के संबंध मधुर होते हैं। इसलिए इस दिन को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। कथा के अनुसार भगवान सूर्य और शनि का संबंध अच्छा नहीं था। शनि ने अपने पिता सूर्य को ग्रहण लगा दिया था, जिससे सूर्य को बहुत दुःख हुआ। लेकिन मकर संक्रांति के दिन शनि ने अपने पिता को प्रणाम किया और उनका आशीर्वाद लिया। इससे सूर्य प्रसन्न हुए और उन्होंने शनि को आशीर्वाद दिया। इस प्रकार यह मेल-मिलाप और पारिवारिक सद्भाव का प्रतीक है। पिता-पुत्र के बीच के मतभेदों को दूर करने और एक-दूसरे का सम्मान करने की सीख देने का भी दिन है। यह साधना के लिए बहुत उत्तम समय होता है। इस दिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक वातावरण अधिक चैतन्यमय होने से साधना करने वाले को इस चैतन्य का लाभ होता है। कर्क संक्रांति से मकर संक्रांति तक के काल को दक्षिणायन कहते हैं। उत्तरायण में मृत्यु को प्राप्त हुए व्यक्ति की अपेक्षा दक्षिणायन में मृत्यु हुए व्यक्ति की दक्षिण अर्थात यम लोक में जाने की संभावना अधिक होती है। यही कारण है कि महाभारत कालीन भीष्म पितामह ने अपने प्राण त्यागने के लिए इसी उत्तरायण काल (मकर संक्रांति) की प्रतीक्षा की थी, जिससे मोक्ष की प्राप्ति होती है। उत्तरायण काल को मोक्ष का मार्ग माना जाता है, इसलिए इस दौरान देह त्याग करने से मुक्ति मिलती है।

मकर संक्रांति से रथसप्तमी तक का काल पर्वकाल होता है। इस पर्वकाल में किया गया दान एवं पुण्यकर्म विशेष फलप्रद होता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन दान, जप और धार्मिक अनुष्ठानों का बहुत महत्व होता है। इस दिन दिया गया दान पुनर्जन्म के बाद सौ गुना प्राप्त होता है। इस दिन उपायन देने का भी विधान है। उपायन देना अर्थात तन, मन एवं धन से दूसरे जीव में विद्यमान देवत्व की शरण में जाना। संक्रांति काल साधना के लिए पोषक होता है। इसलिए इस काल में दिए जानेवाले उपायन से देवता की कृपा होती है और जीव को इच्छित फल की प्राप्ति होती है।

मकर संक्रांति का वर्णन स्कंद पुराण, पद्म पुराण और भविष्य पुराण में अंकित है। इन पुराणों में मकर संक्रांति के महत्व, पूजा विधि और पौराणिक कथाओं का वर्णन किया गया है। मकर संक्रांति का त्यौहार उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक तथा नेपाल में बहुत ही सम्मान पूर्वक मनाया जाता है। यह एक त्यौहार पूरे भारत के राज्यों व उसके परंपराओं को दर्शाता है। इस दिन मकर संक्रांति पूरे भारतवर्ष में विभिन्न राज्यों में विभिन्न नामों से, अलग-अलग रूपों तथा भिन्न -भिन्न पारंपरिक रीतियों द्वारा मनाया जाता है। मकर संक्रांति को तमिलनाडु में पोंगल, गुजरात व उत्तराखंड में उत्तरायण, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब में माघी, असम में भोगाली बिहु के नाम से मनाया जाता है। कश्मीर घाटी में इसे शिशुर सेंक्रात तो सिंधी इस पर्व को तिरमौरी कहते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार में यह उत्सव खिचडी पर्व के नाम से भी जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में इसे पौष संक्रान्ति, तो कर्नाटक में मकर संक्रमण कहते है। पंजाब में यह उत्सव लोहडी नाम से भी मनाया जाता है। भौगोलिक विविधता जैसे जलवायु, मौसम पर्यावरण और भारत में सांस्कृतिक भिन्नता, स्थान, रीति- रिवाज के बावजूद भी मकर संक्रांति का यह त्यौहार असंख्य कारणों से तथा अनगिनत रूपों में संपूर्ण भारत में धूम धाम से मनाया जाता है। अलग- अलग नामों, विविध रूपों व विभिन्न कारणों से संपूर्ण भारत में मनाया जाने वाला यह उत्सव भारतीय संस्कृति की महानता का परिचायक है। संस्कृति के कारण एकता साध्य होती है। देश तो केवल भौगोलिक सीमाएं है, पर संस्कृति के कारण वह राष्ट्र का रूप धारण कर भिन्न भाषा और भौगोलिक प्रदेश के लोगों को भी एक धागे में पिरोता है। एकता के सूत्र में बांधता है। भिन्न- भिन्न भाषा होने, भौगोलिक रूप से भिन्न होने के बाद भी सांस्कृतिक रूप से एकता के सूत्र में बांधने वाले पर्व मकर संक्रांति के विविध रूप भारतीय मनोभाव की एकता के साक्षात प्रमाण हैं। इन सभी रूपों में वैदिक खगोलीय ज्ञान और भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक व कृषि से जुड़े अनुष्ठानों के संगम पर्व मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भारतीय जन परमात्मा से जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करने की प्रार्थना करते हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 14 जनवरी, बुधवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2082, माघ कृष्णपक्ष एकादशी, 17:51 तक, नक्षत्र : अनुराधा, 26:56 तक, योग : गांदा, 19:50 तक, सूर्योदय: 06:19, सूर्यास्त: 17:12, चन्द्रोदय : 02:28, चन्द्रास्त: 13:18, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 11:45 से 13:06

राशिफल

मेष : मेष राशि के जातकों को बुधवार के दिन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। राशि का स्वामी मंगल-पाप ग्रहों की संगति में है। रात्रि के समय प्रियजनों से भेंट हो सकती है।

वृष : वृष राशि वालों के लिए आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है।

मिथुन : बुधवार के दिन मिथुन राशि के लोगों के लिए मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

कर्क : कर्क राशि के जातकों के पंचम भाव में चन्द्रमा उत्तम संपत्ति का संकेत दे रहा है। इस दौरान आपके आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह : आपके राशी का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। ऐसे में आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको समाज में सम्मान दिलाएगी। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

कन्या : आपके राशि स्वामी बुध की कृपा से आपके भाग्य में वृद्धि होगी। ऐसे में रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी।

तुला : तुला राशि के जातकों के चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है।

वृश्चिक : आपकी राशि से मार्गी शनि एवं प्रथम चन्द्र योग अभी सात दिन और चलेगा। इसके फलस्वरूप कुछ आंतरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं।

धनु : धनु राशि के जातकों की विरोधी भी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

मकर : मकर राशि वालों को पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी मिलेगा।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों के स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि मार्गी उदय चल रहा है। ऐसे में बेवजह के विवाद सामने आ सकते हैं।

मीन : मीन राशि के जातकों का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा।

वर्ग पहेली नं. 3321

बायें से दायें:- 2) संदेहजनक, 6) एक बटा तीन, 7) पैर के नीचे का भाग, 8) एक वाद्य, 10) बिचौलिया, 11) खाट, 13) हाल का, 15) बंदर, 17) साल, 18) भूखंड, 20) सशक्त होना, 22) तरंग, 24) वैमनस्य, 26) चुनौती, 28) स्वाद बढ़ाने की सामग्री, 29) सलाख.

ऊपर से नीचे:- 1) उत्तम, 2) अभिवंदन, 3) कारण, 4) योगी, 5) नमस्कारी; लाजवंती, 8) एक शस्त्र, 9) विवश, 12) पायल, 14) उजाड़, 16) वंश, 17) तैयार करना, 18) द्रव, 19) नास्तिक, 20) एक दिशा, 21) झीना, 23) पानी की तरंग; मामूली, 25) काबू, 27) एक पेय; पर्याप्त.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-3279

			9					
	4				7	2		5
	2				1			6
3	7		8					9
	8							4
4		1						3
7	9	2					6	
	6							
1				5				

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3278 का उत्तर

7	4	5	8	2	3	9	1	6
9	1	3	4	6	7	8	5	2
6	2	8	5	9	1	4	7	3
8	6	4	9	3	5	1	2	7
2	5	1	7	4	8	3	6	9
3	7	9	2	1	6	5	4	8
5	9	2	3	7	4	6	8	1
1	8	7	6	5	9	2	3	4
4	3	6	1	8	2	7	9	5

विधानसभा में मिट जायेगा भाजपा का अस्तित्व : अभिषेक बनर्जी

तृणमूल नेता के मंच पर एसआईआर में मृत घोषित 10 लोग

कूचबिहार : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को कूचबिहार में पार्टी कार्यकर्ताओं को आह्वान किया कि इस बार, कूचबिहार में भाजपा का विसर्जन कर दें। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए उन्होंने चुनाव आयोग को भी जमकर लताड़ लगायी। अभिषेक बनर्जी ने एसआईआर को बांग्ला की पहचान और वोट का अधिकार छीनने की साजिश करार दिया। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कूचबिहार की रिकॉर्ड भीड़ इस बात का संकेत है कि भाजपा के राजनीतिक विसर्जन की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा का अस्तित्व ही मिट जायेगा। जनसभा में अभिषेक बनर्जी के मंच पर वे 10 लोग भी आये, जिन्हें एसआईआर प्रक्रिया में मृत घोषित किया जा चुका है। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि ये सभी लोग जीवित हैं। ये लोग बंगाल में पैदा हुए, यहीं पले-बढ़े और आज उनके अस्तित्व को ही नकारा जा रहा है। अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का 'दलाल' करार दिया। साथ ही, कहा कि चुनाव आयोग लोकतंत्र को कुचलने में लगा है। अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर लागू होने के बाद लाइन में खड़े रहने के दौरान आम नागरिकों और बीएलओ की मौतें हुई हैं। कुछ लोगों ने काम के दबाव में आत्महत्या कर ली। तृणमूल नेता ने इसे अव्यवस्थित और अमानवीय प्रक्रिया करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने बंगाल के लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का फंड रोक रखा है। भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए अभिषेक बनर्जी कहा कि बांग्ला भाषा बोलने पर लोगों को बांग्लादेशी कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर बांग्ला बोलना अपराध है, तो बंगाल में भाजपा के नेता किस भाषा में बात करते हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल-विरोधी राजनीति के विरोध में टीएमसी निर्णायक लड़ाई लड़ेगी। अभिषेक ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार का फोकस रोजगार, सड़क, आवास और सामाजिक सुरक्षा पर है। लक्ष्मी भंडार और पथश्री जैसी योजनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि कल्याणकारी योजनाएं आगे भी जारी रहेंगी।

एसआईआर : सीईओ कार्यालय ने ईसीआई से मांगे 1600 अतिरिक्त एआरओ

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत चल रही सुनवाई प्रक्रिया को सुचारु और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) से अतिरिक्त अधिकारियों की मांग की है। सीईओ कार्यालय ने आयोग को पत्र भेजकर 1,600 अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ) नियुक्त करने का अनुरोध किया है। सीईओ कार्यालय सूत्रों के अनुसार, राज्य के विभिन्न जिलों से जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) की ओर से लगातार यह जानकारी दी जा रही थी कि मौजूदा मानव संसाधन के बल पर बड़ी संख्या में लंबित सुनवाइयों का निपटारा करना कठिन होता जा रहा है। मतदाता सूची से जुड़े दावे और आपत्तियों की संख्या अधिक होने के कारण सुनवाई प्रक्रिया पर दबाव बढ़ गया है। इसी पृष्ठभूमि में सीईओ कार्यालय ने दिल्ली स्थित केंद्रीय चुनाव आयोग का रुख किया है और लिखित रूप से अतिरिक्त एआरओ की आवश्यकता की जानकारी दी है। अधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते अतिरिक्त जनबल उपलब्ध नहीं कराया गया, तो सुनवाई प्रक्रिया में देरी हो सकती है, जिसका असर पूरी पुनरीक्षण प्रक्रिया पर पड़ सकता है। सीईओ कार्यालय ने आयोग को आश्वस्त किया है कि अतिरिक्त एआरओ की नियुक्ति से सुनवाई कार्य को तेजी से और पारदर्शी तरीके से पूरा किया जा सकेगा तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर संपन्न किया जा सकेगा। अब इस मामले में केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्णय का इंतजार किया जा रहा है।

आज हाई कोर्ट आई-पैक पर ईडी छापे को लेकर करेगा सुनवाई, होगी लाइव स्ट्रीमिंग

केवल मामलों से संबंधित वकीलों को ही प्रवेश की होगी अनुमति

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पैक के निदेशक प्रतीक जैन के आवास और कार्यालय पर की गई छापेमारी के सिलसिले में ईडी और तृणमूल कांग्रेस की याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई करेगा। इस दौरान अदालत कक्ष में केवल इन मामलों से संबंधित वकीलों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल ने निर्देश दिया कि सुनवाई नियंत्रित प्रवेश के साथ होगी, क्योंकि नौ जनवरी को जब इन मामलों की सुनवाई होनी थी, तब न्यायमूर्ति सुव्रा घोष के न्यायालय कक्ष में अराजक स्थिति उत्पन्न हो गई थी। न्यायमूर्ति घोष ने उस दिन उन लोगों से अदालत कक्ष से बाहर जाने का बार-बार अनुरोध किया था जो याचिकाओं से संबंधित नहीं थे। जब वे बाहर नहीं गये तब न्यायमूर्ति घोष ने सुनवाई 14 जनवरी के लिए स्थगित कर दी थी और अपनी सीट से उठकर चली गयी थीं। प्रशासनिक नोटिस में कहा गया है कि सुनवाई के समय केवल वरिष्ठ वकील, उनके सहायक वकील और दोनों पक्षों की ओर से उपस्थित रहने वाले वकील ही मौजूद रहेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि दोनों याचिकाओं से संबंधित अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाएगा। नोटिस में कहा गया है कि यदि याचिकाकर्ताओं और प्रतिवादियों के अलावा कोई भी व्यक्ति इन दोनों मामलों की अदालती कार्यवाही में भाग लेना चाहता है, तो वह व्यक्ति डिजिटल रूप से शामिल हो सकता है। उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस और ईडी दोनों ने छापेमारी को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। तृणमूल कांग्रेस ने एजेंसी को तलाशी अभियान के दौरान जब्त किए गए आंकड़ों के पूर्वाग्रह, दुरुपयोग और प्रसार से रोकने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की, जबकि ईडी ने अपनी जांच में हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए आठ जनवरी की घटनाओं की जांच सीबीआई को सौंपने की प्रार्थना की।

आई पैक छापा मामले में नवान्न के सामने प्रदर्शन की अनुमति के लिए भाजपा पहुंची हाई कोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में इंडियन पॉलीटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) से जुड़े छापों को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। इस मामले में प्रदेश भाजपा ने राज्य सचिवालय नवान्न के सामने विरोध प्रदर्शन की अनुमति मांगते हुए मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति शंपा दत्ता पॉल की एकल पीठ ने भाजपा की याचिका को स्वीकार कर लिया है। अब यह देखना होगा कि उच्च न्यायालय नबान्न जैसे उच्च सुरक्षा क्षेत्र के सामने प्रदर्शन की अनुमति देता है या नहीं। दरअसल, भाजपा ने हावड़ा जिले के मन्दिरतला स्थित नवान्न के सामने विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। हालांकि, नवान्न उच्च सुरक्षा क्षेत्र होने के कारण यहां किसी भी प्रदर्शन के लिए विशेष अनुमति आवश्यक है। इसी कारण भाजपा ने सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

चुनाव से पहले पुलिस में फेरबदल : 'होम डिस्ट्रिक्ट' में तैनाती नहीं, आयोग ने नवान्न को भेजा पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने राज्य के पुलिसकर्मियों के तबादलों को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों को लागू कराने के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने राज्य सरकार के गृह विभाग को पत्र भेजा है। सोमवार, 12 जनवरी 2026 को भेजे गए पत्र में आयोग की पूर्व निर्देशिका का पालन करते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। नवान्न को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि चुनाव आयोग के 21 दिसंबर 2023 के आदेश के अनुसार, जो पुलिस अधिकारी सीधे तौर पर चुनाव प्रबंधन से जुड़े हैं, उन्हें उनके गृह जिले या लंबे समय से कार्यरत जिले में तैनात नहीं रखा जा सकता। विधानसभा चुनाव की संभावित समय-सारिणी को ध्यान में रखते हुए 31 मई 2026 को 'बेस डेट' मानकर तबादला प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। आयोग का मानना है कि इससे निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

एसआईआर : अब पूर्व सांसद टूटू बोस और उनके बेटे शृंजय बोस को सुनवाई का नोटिस, टीएमसी ने बोला हमला

✒ 'टूटू बोस बीमार हैं, अगर वे चाहें तो घर पर सुनवाई हो सकती हैं', भारी आलोचना के बीच आयोग ने दी सफाई

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के बीच चुनाव आयोग ने पूर्व सांसद और फुटबॉल क्लब मोहन बागान के पूर्व अध्यक्ष स्वप्न साधन बोस उर्फ टूटू बोस और उनके पुत्र (मोहन बागान के सचिव और पूर्व सांसद) शृंजय बोस को सुनवाई के लिए तलब किया है। टूटू बोस और उनके परिवार के अन्य सदस्यों को 19 जनवरी को बालीगंज गवर्नमेंट स्कूल में सुनवाई में शामिल होने का नोटिस दिया गया है। टूटू, शृंजय और उनके परिवार को एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाये जाने पर तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने चुनाव आयोग पर जोरदार हमला बोला है। मोहन बागान के उपाध्यक्ष और तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने सोशल मीडिया पर चुनाव आयोग के इस कदम पर विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा कि टूटू बोस अस्वस्थ हैं। व्हीलचेयर पर हैं। कुणाल ने कहा कि एसआईआर के नाम पर बंगाल की प्रतिष्ठित हस्तियों को निशाना बनाया जा रहा है। अब मोहन बागान और बंगाल फुटबॉल के प्रमुख स्तंभ, पूर्व सांसद और सफल बंगाली उद्यमी टूटू बोस और उनके पूरे परिवार को नोटिस भेजा गया है। कुणाल घोष ने पूछा कि एक अस्वस्थ व्यक्ति को नागरिकता साबित करने के लिए मजबूर करना कैसी संवेदनशीलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और बंगाल प्रदेश भाजपा मिलकर बांग्ला भाषा और बंगालियों पर अत्याचार कर रहे हैं। आने वाले चुनावों में इन्हें इसका जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि टूटू बोस जैसे व्यक्ति को अब यह साबित करने के लिए कहा जा रहा है कि वह बंगाल के नागरिक हैं। यह पूरे राज्य के लिए अपमानजनक है।

एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डाली गई तो भाजपा बंगाल में चुनाव नहीं होने देगी : समिक भट्टाचार्य

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग को चेताते हुए कहा कि यदि एसआईआर में प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची पर पार्टी के दावों और आपत्तियों पर गौर नहीं किया तो भाजपा राज्य में आगामी चुनाव नहीं होने देगी। भट्टाचार्य ने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रकाशित मतदाता सूचियों की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए निवासियों और गैर-निवासियों की पहचान करने को लेकर बूथ स्तर पर गहन जांच की, लेकिन निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और उप निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) निर्वाचन आयोग के फॉर्म सात के माध्यम से उठाई गई उनकी आपत्तियों को स्वीकार करने से इनकार कर रहे। प्रदेश भाजपा प्रमुख ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया इसी तरह समाप्त होती है, तो हम यहां चुनाव नहीं होने देंगे। एसआईआर प्रक्रिया को सुचारू बनाएं-यह हमारी निर्वाचन आयोग से मांग है। भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता राज्य भर में कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि अधिकारियों का कथित तौर पर यह दावा है कि उन्हें उच्च अधिकारियों से आपत्तियों को स्वीकार करने के कोई निर्देश नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि एईआरओ फॉर्म सात को स्वीकार करने से इनकार कर रहे और इस बात पर जोर दे रहे थे कि फॉर्म छह (नए नामांकन के लिए आवेदन) केवल ऑनलाइन ही जमा किया जाए, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही।

एसआईआर : राजनीतिक दलों से 20.94 लाख दावे, भाजपा सबसे आगे

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची के ड्राफ्ट रोल पर राजनीतिक दलों द्वारा दावे और आपत्तियां बढ़ रही हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पश्चिम बंगाल के दैनिक बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार तक राजनीतिक दलों से कुल 20,94,438 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल में 7,08,16,630 मतदाताओं के नाम शामिल हैं। राजनीतिक दलों के ब्लॉक लेवल एजेंट्स (बीएलए) द्वारा प्राप्त दावों में मुख्य रूप से नाम शामिल करने के लिए हैं। कुल 8 दावे शामिल करने के लिए आए हैं, जबकि बाहर करने के लिए कोई नहीं। प्रमुख दलों द्वारा दावें और आपत्तियों की बात करें तो भाजपा ने सर्वाधिक 61,451 दावे किए हैं। दूसरे नंबर पर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) है, जिसके 49,436 दावे हैं, जिनमें से 2 नाम शामिल करने के लिए हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 18,772 दावे किए; पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 77,867 दावे किए, जिनमें से 3 नाम शामिल करने के लिए हैं। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने 1,885 दावे किए, जिनमें से 1 नाम शामिल करने के लिए है। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) ने 21 दावे किए, जिनमें से 1 नाम शामिल करने के लिए है। कुल मिलाकर राष्ट्रीय और राज्य दलों से बीएलए के माध्यम से प्राप्त दावों में केवल 8 नाम शामिल करने की आपत्तियां दर्ज हुईं, जो दर्शाता है कि दलों का फोकस मुख्य रूप से नए या छूटे नाम जोड़ने पर है। मतदाताओं से सीधे प्राप्त दावे और आपत्तियां भी महत्वपूर्ण हैं।

बूथों की सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट पहुंची भाजपा, चुनाव आयोग की तैयारियों पर बेंच के सवाल

कोलकाता : स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बूथों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भाजपा ने कोलकाता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। भाजपा के राज्य अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने इस संबंध में जनहित याचिका दायर की। भाजपा का आरोप है कि राज्य के लगभग 42 हजार मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था है या नहीं, इसे लेकर गंभीर संदेह बना हुआ है। इसी कारण पार्टी ने राष्ट्रीय चुनाव आयोग से दोबारा सुरक्षा सर्वे कराने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सवाल उठाया कि यदि सभी 42 हजार बूथों पर सुरक्षा की मांग की जा रही है, तो क्या इसका अर्थ यह है कि चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है? इसके जवाब में भाजपा के अधिवक्ता ने कहा कि आयोग पर भरोसा है, लेकिन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ही यह याचिका दाखिल की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ बीएलओ पर फर्जी दस्तावेज देने का दबाव बनाया जा रहा है। भाजपा ने अदालत में दलील दी कि राज्य में पूर्व के कई चुनावों में हिंसा और अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। इसी पृष्ठभूमि में संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त केंद्रीय बलों की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी और निष्पक्ष सर्वे की मांग की गई है। शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि सभी बूथों पर 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग को नया सर्वे कराना चाहिए, क्योंकि पूर्व में सर्वे करने वाली एजेंसी काम छोड़कर चली गई है। भाजपा का कहना है कि यदि राज्य सरकार नई एजेंसी नियुक्त नहीं कर पाती, तो केंद्र सरकार को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए। साथ ही सभी बूथों पर पर्यवेक्षक तैनात कर निगरानी की मांग भी की गई। हालांकि, अदालत ने अभी कोई अंतिम आदेश नहीं दिया है। सुनवाई के बाद बेंच ने कहा कि मामला बेहद अहम है और इस पर राष्ट्रीय चुनाव आयोग का पक्ष सुना जाना आवश्यक है। इसलिए आयोग को नोटिस भेजकर उसकी राय मांगी जा सकती है।

बांकुड़ा में गाड़ी से हजारों फार्म-7 बरामद, दो भाजपा नेता गिरफ्तार

ममता बोलीं... 'मतदाताओं के नाम काटने की साजिश'

बांकुड़ा : राज्य में मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) को लेकर जारी राजनीतिक संग्राम के बीच मंगलवार को बांकुड़ा के खातरा से एक चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। खातरा के सिनेमा मोड़ के पास रोकी गई एक संदिग्ध गाड़ी की तलाशी में मतदाता सूची से नाम हटाने वाले 'फॉर्म-7' की लगभग 4,000 प्रतियां बरामद होने से प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया। सूत्रों के अनुसार, इस दिन, दोपहर करीब 1 बजे तालडांगरा से एक गाड़ी को निकलती देख तृणमूल कार्यकर्ताओं ने खातरा सिनेमा रोड इलाके में उसका पीछा कर उसे रोक लिया और तलाशी ली। बड़ी मात्रा में फॉर्म मिलने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति बिगड़ती देख वाहन में सवार तीन लोग फरार हो गए, जबकि पुलिस ने दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए लोगों में तालडांगरा विधानसभा क्षेत्र की बीबरदा ग्राम पंचायत की पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष झुमा घोष के पति प्रबीर घोष का नाम सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही राज्य की खाद्य आपूर्ति मंत्री ज्योत्सना मंडी और तृणमूल के जिला नेता भी थाना पहुंचे। फिलहाल, पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है कि इतनी बड़ी संख्या में 'फॉर्म-7' कहां से आए, इन्हें किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। जांच के निष्कर्ष के साथ ही मामले में और बड़े खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

दूसरी तरफ, इस पूरे घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नवान्न में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में फॉर्मों की तस्वीरें दिखाते हुए भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर की आड़ में वैध और पात्र मतदाताओं के नाम काटने की संगठित साजिश रची जा रही है। मुख्यमंत्री ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला करार दिया।

रोज़वैली की जब्त लगभग 30 हजार करोड़ की संपत्ति में कथित गड़बड़ी पर एसएफआईओ जांच के आदेश

कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को झटका लगने के अगले ही दिन कोलकाता हाईकोर्ट ने रोज़वैली समूह की जब्त लगभग 30 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति में कथित हेराफेरी की जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति भारद्वाज की डिवीजन बेंच ने गंभीर रुख अपनाते हुए गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) को एक माह के भीतर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने का आदेश दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि प्रारंभिक रिपोर्ट में अनियमितताओं के संकेत मिलते हैं तो एसएफआईओ फॉरेंसिक ऑडिट शुरू करेगा। इसके लिए नियमों के अनुसार केंद्रीय कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय को एसएफआईओ को शीघ्र अनुमति देनी होगी। अदालत ने एसएफआईओ को 12 फरवरी तक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। डिवीजन बेंच ने 25 सितंबर से सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति दिलीप सेठ की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा जमाकर्ताओं का पैसा लौटाने की प्रक्रिया बंद किए जाने पर भी निराशा जताई। अदालत ने कहा कि लगातार आदेशों में यह स्पष्ट किया गया है कि रकम लौटाने में कोई बाधा नहीं है, फिर भी पीड़ित जमाकर्ताओं को भुगतान नहीं मिल पा रहा है। गौरतलब है कि रोज़वैली संपत्तियों में कथित वित्तीय गड़बड़ी पर हाईकोर्ट के फॉरेंसिक ऑडिट आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दिया था। इसके बाद ही हाईकोर्ट ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए एसएफआईओ को जांच शुरू करने का आदेश दिया।

NAME CHANGE

I, Army No.7784967Y, Rank: Hav, name: Sundakar Sunil Maruti, resident of Vill: Malatwadi, P.O. Malatwadi, Tal Chandgad, Dist.-Kolhapur, Maharashtra, Pin-416508. My daughter's name been recorded incorrectly in my service record as Shreya. I do hereby declared that have changed my Daughter's name from Shreya to Sundakar Shreya Sunil, Vide affidavit Before the Ld. Notary Public at Alipore, Kolkata, dated 07.01.2026

Name Change

I, Mina Devi, wife of Rakesh Kumar Singh, residing at 85, Lakshminarayantala Road, 4th Floor-4B, B Garden, Howrah-711103, do hereby solemnly affirm and declare that Mina Devi and Mina Singh is same and one identical person via affidavit before the Court of Ld 1st Class Judicial Magistrate at Howrah dated 7th January 2026.

NAME CHANGE

I, Manisha Sunil Sundakar wife of Army No.7784967Y, Rank: Hav, name: Sundakar Sunil Maruti, resident of Vill: Malatwadi, P.O. Malatwadi, Tal Chandgad, Dist.-Kolhapur, Maharashtra, Pin-416508. My name been recorded incorrectly in my Husband service record as Manisha Sunil Sundakar. I do hereby declared that have changed my name from Manisha Sunil Sundakar to Sundakar Manisha Sunil Vide affidavit Before the Ld. Notary Public at Alipore, Kolkata, dated 07.01.2026

पूर्व रेलवे

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/इंजी./गति शक्ति इकाई/हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सं. 05_2025-26, दिनांक: 09.01.2026। कार्य का विवरण:** लिलुआ-जीएसयू/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र के तहत लिलुआ वर्कशॉप के अंदर नए जी+2 एम एंड सी प्रयोगशाला भवन का निर्माण और लिलुआ-ट्रैवर्सर बे-1 का पिट से एलएचबी/ ईएमयू पीओएच के सरफेस टाइप में विस्तार और रूपांतरण। **अनुमानित मूल्य:** रु. 22,32,19,723.75, **बयाना राशि:** रु. 12,66,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** 0.00, **समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 03.02.2026 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-528/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्वोत्तर रेलवे

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमन्त्रित की जाती है।

निविदा सं. एवं कार्य का विवरण: EL-MWS-GKP-2025-26-21, कम्प्रेहेन्सिव मेंटेनेन्स कानट्रैक्ट फार पी०ओ०एच० शिड्यूल आफ आर०एम०पी०यू० आफ एल०एच०बी० ए०सी० कोचेज एण्ड एस०बी०सी० पैनल इन मैकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर। अनुमानित लागत: Rs. 17,41,23,374.01, बयाने की राशि: Rs. 10,20,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: 0.00, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने के तिथि से – 24 महीना।

आन लाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 03.02.2026 समय 11.00 बजे तक। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे। यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर(कार.)

मुजाधि/विद्युत-252 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 (**वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा** के कार्यक्षेत्र के अधीन) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **एनआईटी सं. 247_2025-26, कार्य का विवरण:** सेवड़ाफुली से बिष्णुपुर सहित बेलुड़ से हुगली तक विभिन्न लेवल क्रॉसिंग गेट के बीसीएम कार्य के बाद लेवल क्रॉसिंग रोड की सतह की मरम्मत और लेवल क्रॉसिंग गेट की अन्य सहायक बुनियादी संरचना। **अनुमानित मूल्य :** रु.77,95,520.62, **बयाना राशि:** रु. 1,55,900/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** शून्य । **समापन अवधि** : 06 (छह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 28.01.2026 को 14.00 बजे । निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान: ई-निविदा प्रणाली के मामले में बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।।

HWH-529/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: 222-एस/1/डब्ल्यू-II (एक्सईएन-बीआरएल-एसडीएएच), दिनांक 08.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं.:टीएन-170-25-26, कार्य का नाम:** सियालदह मंडल के कांकुरगाछी कॉर्ड सेक्शन में अप और डाउन दोनों में ब्रिज नंबर X-13 की री-गर्डरिंग का प्रावधान और सियालदह मंडल के सर्कुलर रेलवे में दमदम जंक्शन-पातिपुकुर के बीच ब्रिज नंबर 1 सीपी की री-गर्डरिंग का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 5,35,63,583.60, **बयाना राशि:** रु.4,17,800/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 06.02.2026 को 15.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 06.02.2026 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। भारतीय रेलवे मानक अनुबंध 2022 की सामान्य शर्तों के अनुसार, ई-निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है।

SDAH-350/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-07-11-26, दिनांक 09.01.2026। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी)/आद्रा, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा नीचे उल्लिखित अनुसार **पी.वे, बैलास्ट, एफओबी** तथा **निकासी एवं विविध कार्यों** के लिए **05 (पांच)** अदद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-07-26। कार्यों का विवरण:** किसी भी क्वैरी से विष्णुपुर डिपो में 50 मिमी. गेज के मशीन चूर्ण बैलास्ट की आपूर्ति तथा ढेर में डिलीवरी सहित किसी भी प्रकार के रेलवे वैगनों में उसकी लदायी। **निविदा मूल्य:** ₹2,30,42,448। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-08-26। कार्यों का विवरण:** एडीईएन/पुरुलिया के अधिकार क्षेत्र के अधीन ट्रैफिक के सुरक्षित आवागमन के लिए ट्रैक का मजबूतीकरण एवं मानकीकरण के लिए विविध पी.वे कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,14,06,981.46। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-09-26। कार्यों का विवरण:** एडीईएन/ईस्ट/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन ट्रैफिक के सुरक्षित आवागमन के लिए ट्रैक का मजबूतीकरण एवं मानकीकरण के लिए विविध पी.वे कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,14,06,981.46। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-10-26। कार्यों का विवरण:** बांकुड़ा-मसाग्राम खंड के बीच बंद समपार बीआर-108 एवं बीआर-01 के नजदीक प्रस्तावित एलएचएस पर आच्छादित शेड का प्रावधान एवं निकासी प्रणाली का सुधार। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,22,51,675.17। **क्रम संख्या:** 5। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-11-26। कार्यों का विवरण:** चन्द्रकोणा रोड स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया के साथ वर्तमान आईलैंड पीएफ तथा प्रस्तावित पीएफ के संपर्क के लिए एक नए एफओबी (3 मीटर चौड़ा) का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,62,38,779.10। ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय **10.02.2026 को अपराह्न 3.00 बजे** (क्रम संख्या 1 से 5 प्रत्येक के लिए) है। उपर्युक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(PR-1054)

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

ई-एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 69/ईटी./2025-26 दिनांक: 09.01.2026

क्र.सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	नियत तिथि
01	05251113ए	ट्रैक्सन ट्रान्सफारमर कम्पलीट	359 सेट	20.02.2026
		गैपलेस लाइटिंग अरेस्टर	359 सेट	
		आईजीबीटी बेसड पीडब्लूएम पावर	342 सेट	
		सिंकोनस एएक्सएलई हंग नोज सस्पेंडेड ट्रेक्सन मोटर	1436 सेट	
		माइक्रोप्रोसर बेसड टीसीएमएस	114 सेट	
		आगजिलिअरि कनवटर आईजी बीटी/सीआईसी बेसड कम्पलीट	342 सेट	
		पीन्यूमेटिक सिस्टम कम्परेजिंग ऑफ मेन एअर कम्प्रेसर	376 सेट	
		वैक्यूम सरकिट ब्रेकर (एसी)	359 सेट	
		पेंटोग्राफ कम्पलीट सुटेबल फार एसी	359 सेट	
		आल कन्ट्रोल पावर डाटा एन्ड कम्युनिकेशन केबल	114 सेट	
		कम्पलीट प्री फैब्रीकेबल ड्राइबर डेस्क एन्ड कब इक्यूमेंट	228 सेट	
		कम्पलीट प्री फैब्रीकेबल एन्ड प्रीवायर्ड शंटिग डेस्क	114 सेट	
		एलईडी लाईट इनक्लूलिडिंग इमरजेंसी लाइटस	114 सेट	
		सेट ऑफ एमसीबीएस कानटैक्टर रिलेस	114 सेट	
		पार्किंग ब्रेकिंग इक्युमेंट कम्पलीट	114 सेट	
		लोड वेगिह सेन्सर विद एडिक्वेट रिडेडेंसी	114 सेट	
		पेसेन्जर इनेंफारमेसन सिस्टम कम्पाराइजिंग सिंगल फ्रन्ट एलईडी	114 सेट	
		इन्टर व्हिकूलर कप्लर असेम्बली कम्पलीट	117 सेट	
		स्पीड इनक्लूलिडिंग कम रीकिंडिंग सिस्टम	228 सेट	
		सेट ऑफ पंटेनशल ट्रान्सफारमर	342 सेट	
		रूफ माउंटेड ड्राविंग कब एआरकंडीनिंग यूनिट	228 सेट	
		पैसेन्जेर कार सर्विलाइन्स सिस्टम	114 सेट	
		केबल ट्रांजिट सिस्टम विद इडीपीएम रबर मेडूल	114 सेट	
		आगजिलिअरी कम्प्रेसर एलांग	342 सेट	
		डीजाइन एन्ड सप्लाई आफ ट्रे फॉर लेयिंग	114 सेट	
		सेट ऑफ एआर फिल्टर फार एचटी रूम कम्पार्टमेंट	342 सेट	
		एपीसी रिकवरी कम्पटीबल	228 सेट	
		आटोमैट्रिक स्मोक/फायर डेटेक्शन विद अलार्म सिस्टम	114 सेट	
		मटेरियल हैंडलिंग लोडिंग एन्ड इन्स्टालेशन फिटमेंट	114 सेट	
		इंस्ट्रुमेंटेशन रिक्वयर फॉर कमीशिनिंग एन्ड फील्ड टेस्टिंग	1 सेट	
		लैपटॉपस विद प्रीलोडेड लाइनसेड इसेनटिएल साफ्लवेयर इनकुलिडिंग	28 नग	
		स्पेशल टूल फॉर असेम्बली डीसेम्बली ऑफ ट्रैक्शन मोटर	10 सेट	
		टेस्टिंग किट फार ट्रैक्शन मोटर	10 सेट	
		लेफ्टिंग फ्रेमस एन्ड स्पेशल फीक्चर फॉर इक्यूमेंट	10 सेट	
		सीएएमसी	114 सेट	
02	12251221	सप्लाई ऑफ स्टैन्लेश स्टील ट्यूब विद स्टेन्लेश स्टील डबल फेरूल फिटिंग फॉर एलडब्लूएस कोचेज	134 सेट	28.01.2026
		सप्लाई ऑफ स्टैन्लेश स्टील ट्यूब	337 सेट	
		सप्लाई ऑफ स्टैन्लेश स्टील ट्यूब विद स्टैन्लेश स्टील डबल फेरूल फिटिंग	280 सेट	
		सप्लाई ऑफ स्टैन्लेश स्टील ट्यूब विद स्टैन्लेश स्टील डबल फेरूल फिटिंग फॉर एलडब्लूएससीजेड एन्ड एलडब्लूएससीजेडएसी कोचेज	35 सेट	
		सप्लाई ऑफ स्टैन्लेश स्टील ट्यूब विद स्टैन्लेश स्टील	21 सेट	
		सप्लाई ऑफ स्टैन्लेश स्टील ट्यूब विद स्टैन्लेश स्टील	10 सेट	
		सप्लाई ऑफ स्टैन्लेश स्टील ट्यूब विद स्टेन्लेश स्टील डबल फेरूल फिटिंग	6 सेट	
03	04251226ए	इमरजेसी ओपनेबल विन्डो	500 नग	05.02.2026

शुद्धिपत्र

01	67/ईटी/2025-26 दिनांक 31.12.2025	टेन्डर नं. 03251750ए	फायर एक्सटीआई एनजीयूआईएससचईआर विद एन्टी थिपट एग्रीमेंट इन नान एसी कोचेज मोडिफिकेशन एज पर कोरिजेन्डम 01

वेबसाइट पता : www.ireps.gov.in एवं www.mcf.indianrailways.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विधानसभा का अंतिम बजट सत्र फरवरी के पहले सप्ताह में

चुनाव से पहले ममता क्या देगी 'उपहार'? जनता आश लगाए बैठी

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा का बजट सत्र फरवरी महीने के पहले सप्ताह में शुरू होने जा रहा है। विधानसभा सचिवालय सूत्रों के अनुसार, 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले यह मौजूदा सरकार का अंतिम सत्र होगा और इसी सत्र में अंतरिम बजट पेश किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से यह बजट वित्त राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य पेश कर सकती हैं। तृणमूल कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले अंतरिम बजट स्वयं मुख्यमंत्री ने पेश किया था।

ऐसे में इस बार भी उसी तरह की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। इसी कारण विधानसभा सचिवालय के साथ-साथ राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में इस सत्र को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। अंतरिम बजट होने के कारण बड़े संरचनात्मक बदलावों की घोषणा की संभावना कम है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से कई जनहितकारी योजनाओं में आवंटन बढ़ाए जाने के संकेत मिल रहे हैं। यह सत्र 17वीं विधानसभा का अंतिम सत्र होगा। नियमित संसदीय प्रक्रिया के तहत प्रश्नोत्तर काल, उल्लेख काल तथा विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी प्रस्तावों पर चर्चा होगी। साथ ही, कई महत्वपूर्ण विधेयकों के पारित होने की भी संभावना है। सरकार के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, प्रशासनिक ढांचे और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े कुछ संशोधन और नए प्रस्तावों को इस सत्र में कानूनी मंजूरी मिल सकती है। नवान्न सूत्रों के अनुसार, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार-इन पांच क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता दी जा सकती है। खास तौर पर लक्ष्मी भंडार, स्वास्थ्यसाथी, कन्याश्री और खाद्यसाथी योजनाओं के लिए बजट आवंटन बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। दूसरी ओर, इस सत्र में विपक्ष की भूमिका भी खास तौर पर नजर में रहेगी। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा का संसदीय दल किस तरह की रणनीति अपनाता है, इस पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है। भर्ती घोटाला, कानून-व्यवस्था की स्थिति, केंद्र से कथित वंचना और राज्य की आर्थिक हालत जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला कर सकती है। वहीं, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी अपनी विकास योजनाओं और उपलब्धियों का ब्योरा पेश कर विपक्ष के हमलों का जवाब देने की तैयारी में है। कुल मिलाकर, आने वाला बजट सत्र केवल एक वित्तीय दस्तावेज तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक ताकत आजमाने का एक अहम मंच बनने जा रहा है।

ईपीएफओ कोलकाता की जूट मिल श्रमिकों की समस्याओं पर यूनियनों संग अहम बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल की जूट मिलों में कार्यरत श्रमिकों से जुड़े भविष्य निधि मामलों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कोलकाता ने मंगलवार को जूट मिल श्रमिक संगठनों के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की। यह बैठक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, भारत सरकार द्वारा उत्तरपाड़ा (हुगली) दौरे के दौरान दिए गए निर्देशों के तहत आयोजित की गई। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स, कोलकाता के सभागार में आयोजित बैठक में केंद्रीय न्यासी बोर्ड, ईपीएफओ के सदस्य शिओ प्रसाद तिवारी, अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त बी. लालजामंग तथा बैरकपुर, हावड़ा और पार्क स्ट्रीट के क्षेत्रीय भविष्य

निधि आयुक्त एवं प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पश्चिम बंगाल की जूट मिलों से जुड़े कुल 25 श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान श्रमिक संगठनों ने ईपीएफ अंशदान के भुगतान में अनियमितता, सदस्यता से बचाव, ऑनलाइन दावा निपटान में आ रही प्रक्रियागत दिक्कतें और संयुक्त घोषणा से जुड़े मुद्दे उठाए। ईपीएफओ अधिकारियों ने समस्याओं पर स्पष्टीकरण देते हुए नियमों के अनुसार समाधान का आश्वासन दिया। बैठक के अंत में श्रमिक संगठनों ने संवाद की इस पहल की सराहना की।

स्तन कैंसर के इलाज में बेहतर हो रहा शहर; मरीज की सफल सर्जरी

कोलकाता : आरजी स्टोन यूरोलॉजी एंड लैप्रोस्कोपी हॉस्पिटल, कोलकाता ने अपने आरजी इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड ब्रेस्ट केयर के ज़रिए 68 वर्षीय महिला की दाहिने स्तन के कैंसर की सफल सर्जरी की। वरिष्ठ ब्रेस्ट सर्जन डॉ. ताप्ती सेन के नेतृत्व में मरीज की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी की गई, जिसमें बगल की लिम्फ नोड्स को लेवल-थ्री तक साफ किया गया। डॉ. ताप्ती सेन ने बताया कि लिम्फ नोड्स से जुड़े मामलों में यह सर्जरी आज भी बेहद कारगर इलाज है। सही जाँच, सटीक सर्जरी और सर्जरी के बाद की देखभाल से मरीज जल्दी संभल पाता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है।

गंगा नदी संरक्षण को लेकर कोलकाता में तीन दिवसीय 'गंगा इनोवेशन मीट 2026' का शुभारंभ

कोलकाता, समाज्ञा : गंगा नदी की जलीय जैव विविधता के संरक्षण, देशी मछली प्रजातियों के संवर्धन और नदी पर निर्भर समुदायों की आजीविका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आईसीएआर-सेंट्रल इनलैंड फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईसीएआर-सिफरी), बैरकपुर द्वारा 'नमामि गंगे कार्यक्रम' के अंतर्गत तीन दिवसीय गंगा इनोवेशन मीट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम 13 से 15 जनवरी तक चलेगा, जिसमें देशभर से वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शोधकर्ता, कार्यान्वयन एजेंसियां और मत्स्यजीवी समुदाय के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम की मुख्य थीम गंगा नदी बेसिन में जैव विविधता संरक्षण, स्टॉक संवर्धन एवं लघु स्तर की मत्स्यिकी रखी गई है, जिसका उद्देश्य विज्ञान, नीति और सामुदायिक सहभागिता को एक मंच पर लाना है।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) विजय लक्ष्मी सक्सेना ने गंगा की मत्स्य संपदा के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक और समुदाय आधारित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

आईसीएआर-सिफरी के निदेशक डॉ. बी. के. दास ने बताया कि नमामि गंगे के तहत किए गए वैज्ञानिक हस्तक्षेपों से गंगा में देशी मछलियों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कार्यक्रम के दौरान तकनीकी सत्र, पैनल चर्चा, गंगा रैंचिंग, पुस्तकों का विमोचन, गंगा क्विज और मत्स्यजीवी-अकादमिक संवाद आयोजित किए जा रहे हैं, जो गंगा नदी बेसिन में सतत मत्स्य विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गंगासागर में तीर्थयात्रियों की सेवा में जुटा अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज

गंगासागर : अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज द्वारा गंगसागर में सेवा शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। इस सेवा शिविर का उद्घाटन हनुमान गढ़ी, अयोध्या के मुख्य महंत ज्ञान दास महाराज के उत्तराधिकारी संजय महाराज द्वारा किया गया। मौके पर उन्होंने अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज के सेवा कार्यों की खूब सराहना की और इसके निरंतर विकास के लिए आशीर्वचन दिया। साथ ही उन्होंने समाज के धर्मशाला के उद्घाटन पर उपस्थित रहने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर हेमंत महाराज सहित समस्त संत मंडली की उपस्थिति रही।

उद्घाटन समारोह में संस्था के मुख्य संरक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि यह सेवा शिविर 11 जनवरी से लगा है जो 16 जनवरी तक चलेगा। यहां श्रद्धालुओं के लिए जलपान, निःशुल्क चिकित्सा एवं

दिन-रात विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है। अशोक महाराज और आशुतोष महाराज के सानिध्य में समाज के सदस्य गण हर दिन सांध्य में सागर तट पर गंगा आरती कर रहे हैं। साथ ही शिविर में इन दोनों महाराज के मुखारबिंदु से कथा की जा रही है।

इस सेवा में समाज की केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारियों से लेकर सभी अंचल कमेटियों के सदस्य गण पूरे उत्साह से जुटे हुए हैं। समाज के महासचिव शंकर बक्श सिंह ने उद्घाटन समारोह का बखूबी संचालन किया।

मुख्य संरक्षक ने बताया कि गंगासागर में समाज की धर्मशाला भागीरथ भवन का निर्माण अंतिम चरण में है, इसका जल्द ही उद्घाटन होगा।

उक्त अवसर पर ओम प्रकाश जी, विजेंद्र सिंह, राकेश सिंह, चंद्रिका बक्श सिंह, श्रीप्रकाश सिंह, अजय सिंह (डनलप),

अजय बहादुर सिंह (कोन्ननगर), प्रेमनाथ सिंह, लक्ष्मीनारायण सिंह, शीतल प्रसाद मिश्रा, प्रभात सिंह उपस्थित रहे।

शिविर के संयोजक शिवशंकर सिंह के नेतृत्व में जितेंद्र सिंह, सुधीर सिंह, आरपी सिंह, रमाशंकर सिंह, हेमंत सिंह, अनिल सिंह (गारुलिया), सुनील सिंह, शैलेंद्र सिंह, राधेश्याम सिंह (काका), पप्पू सिंह (मेमारी), गोराचंद सिंहराय, सायंतन सिंहराय, अनिल सिंह (मास्टर), अक्षयवर नाथ सिंह, विभा सिंह, सत्येंद्र सिंह, शिव कुमार सिंह, धनंजय सिंह, रमेश सिंह, हरिकेश सिंह (गुड्डन), विलास सिंह, राघवेंद्र सिंह, पंकज सिंह, बिमल सिंह सहित अन्य सदस्यगण सेवा में रत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 17 जनवरी को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर समेत सात अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का करेंगे शुभारंभ

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जनवरी 2026 को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन तथा चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके अतिरिक्त तीन और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें 18 जनवरी 2026 से सेवा में लाई जाएंगी। इन ट्रेनों के शुभारंभ से देश के विभिन्न हिस्सों के बीच तेज, सुविधाजनक और किफायती रेल संपर्क को मजबूती मिलेगी।

प्रथम वंदे भारत स्लीपर ट्रेन 27576/27575 कामाख्या-हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस में 27576 कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस प्रतिदिन (बुधवार को छोड़कर) 18:15 बजे कामाख्या से प्रस्थान कर अगले दिन 08:15 बजे हावड़ा पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 27575 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस प्रतिदिन (गुरुवार को छोड़कर) 18:20 बजे हावड़ा से प्रस्थान कर अगले दिन 08:20 बजे कामाख्या पहुंचेगी।

वहीं, अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में 16107/16108 तांबरम-सांतरागाछी-तांबरम अमृत भारत एक्सप्रेस में 16107 तांबरम-सांतरागाछी अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शुक्रवार 15:30 बजे तांबरम से प्रस्थान कर अगले दिन 20:15 बजे सांतरागाछी पहुंचेगी। वापसी में, 16108 सांतरागाछी-तांबरम अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार 23:55 बजे सांतरागाछी से प्रस्थान कर तीसरे दिन 10:00 बजे तांबरम पहुंचेगी।

13065/13066 हावड़ा - आनंद विहार - हावड़ा अमृत भारत

एक्सप्रेस में 13065 हावड़ा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक गुरुवार 23:10 बजे हावड़ा से प्रस्थान कर तीसरे दिन 02:50 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी में, 13066 आनंद विहार-हावड़ा अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार 05:15 बजे आनंद विहार से प्रस्थान कर अगले दिन 10:50 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

22588/22587 बनारस-सियालदह-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस में 22588 बनारस-सियालदह अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को 22:10 बजे बनारस से प्रस्थान कर अगले दिन 09:55 बजे सियालदह पहुंचेगी। वापसी में, 22587 सियालदह-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को 19:30 बजे सियालदह से प्रस्थान कर अगले दिन 07:20 बजे बनारस पहुंचेगी।

20604/20603 नागरकोइल-न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस में 20604 नागरकोइल-न्यू जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार 23:00 बजे नागरकोइल से प्रस्थान कर चौथे दिन 05:00 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी। वापसी में, 20603 न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक बुधवार 16:45 बजे न्यू जलपाईगुड़ी से प्रस्थान कर तीसरे दिन 23:00 बजे नागरकोइल पहुंचेगी।

20610/20609 तिरुच्चिरापल्ली - न्यू जलपाईगुड़ी - तिरुच्चिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस में 20610 तिरुच्चिरापल्ली-न्यू जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक बुधवार 05:45 बजे तिरुच्चिरापल्ली से प्रस्थान कर तीसरे दिन 05:00 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी। वापसी में, 20609 न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुच्चिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शुक्रवार 16:45 बजे न्यू जलपाईगुड़ी से प्रस्थान कर तीसरे दिन 16:15 बजे तिरुच्चिरापल्ली पहुंचेगी।

16597/16598 एसएमवीटी बेंगलुरु-अलीपुरद्वार-एसएमवीटी बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस में 16597 एसएमवीटी बेंगलुरु-अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार 08:50 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु से प्रस्थान कर तीसरे दिन 10:25 बजे अलीपुरद्वार पहुंचेगी। वापसी में, 16598 अलीपुरद्वार-एसएमवीटी बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार 22:25 बजे अलीपुरद्वार से प्रस्थान कर चौथे दिन 03:00 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु पहुंचेगी।

11031/11032 पनवेल - अलीपुरद्वार - पनवेल अमृत भारत एक्सप्रेस में 11031 पनवेल-अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार 11:50 बजे पनवेल से प्रस्थान कर तीसरे दिन 13:50 बजे अलीपुरद्वार पहुंचेगी। वापसी में, 11032 अलीपुरद्वार-पनवेल अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक गुरुवार 04:45 बजे अलीपुरद्वार से प्रस्थान कर तीसरे दिन 05:30 बजे पनवेल पहुंचेगी।

भादूविप्रा ने कोलकाता एलएसए में मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता का किया आकलन

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) ने नवंबर 2025 में कोलकाता लाइसेंस सेवा क्षेत्र (एलएसए) के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के कोलकाता टेलीकॉम जिला तथा उत्तर व दक्षिण 24 परगना के कुछ हिस्सों में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के माध्यम से आकलन किया। यह परीक्षण भादूविप्रा के क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता की निगरानी में शहरी, व्यावसायिक, आवासीय और संस्थागत क्षेत्रों में किया गया। 10 से 15 नवंबर 2025 के बीच 308.1 किमी सिटी ड्राइव टेस्ट, 10 हॉटस्पॉट और 2.6 किलोमीटर वॉक टेस्ट के जरिए 2जी, 3जी, 4जी और 5जी सेवाओं का मूल्यांकन किया गया। परीक्षण में कॉल सेटअप सक्सेस रेट, ड्रॉप कॉल रेट, कॉल गुणवत्ता, डेटा डाउनलोड-अपलोड स्पीड, लेटेंसी और वीडियो स्ट्रीमिंग जैसे प्रमुख मानकों को शामिल किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, ऑटो-सेलक्शन मोड में एयरटेल, बीएसएनएल, रिलायंस जियो और वीआईएल की कॉल सेटअप सक्सेस रेट 96 से 100 प्रतिशत के बीच रही। 5जी नेटवर्क पर अधिकतम औसत डाउनलोड स्पीड 273.82 एमबीपीएस दर्ज की गई। आईडीटी के निष्कर्ष संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को भेज दिए गए हैं। विस्तृत रिपोर्ट भादूविप्रा की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

गंगासागर जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए आउटराम घाट पर निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा शिविर संचालित

कोलकाता, समाज्ञा : सोसायटी बेनिफिट सर्कल द्वारा गंगासागर पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा और सहायता के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी कोलकाता के आउटराम घाट पर दो स्थानों पर निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा शिविर संचालित किए जा रहे हैं। प्रथम चिकित्सा शिविर कैम्प संख्या 12 में श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति के सहयोग से तथा द्वितीय शिविर कैम्प संख्या 52 में राष्ट्रीय मानव सेवा ट्रस्ट के परिसर में संचालित किया जा रहा है। ये सेवा शिविर 9 जनवरी से निरंतर कार्यरत हैं, जहां अनुभवी चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों द्वारा श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार, आवश्यक दवाइयां और चिकित्सकीय परामर्श निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक हजारों तीर्थयात्री इन शिविरों

से लाभान्वित हो चुके हैं।

शिविरों का संचालन संस्था के चेयरमैन बिमल दीवान एवं अध्यक्ष पवन बंसल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सुव्यवस्थित रूप से किया जा रहा है। सचिव आदित्य विक्रम तुलस्यान सहित मनोज चौधरी, सुभाष चंद्र गोयनका, मनीष धानुका, महेश काबरा, दुर्गी चंद अग्रवाल, मोहित सुरेका, सुमित झुनझुनवाला, गोपाल अग्रवाल, चेतन अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल समेत अनेक कार्यकर्ता सेवा भाव से अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। श्री बंसल ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए शिविरों में आवश्यक दवाइयों और चिकित्सा संसाधनों की समुचित व्यवस्था की गई है। यह सेवा प्रयास सामाजिक उत्तरदायित्व और मानव सेवा की भावना का सशक्त उदाहरण है।

बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी के कारण कोलकाता मेट्रो रेल सेवाएं कुछ समय के लिए हुई बाधित

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिणेश्वर-शहीद खुदीराम मार्ग पर मंगलवार को बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी के कारण कोलकाता मेट्रो सेवाएं लगभग एक घंटे तक प्रभावित रहीं, जिसकी वजह से सुबह के व्यस्त समय में यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि यह गड़बड़ी नेताजी भवन और रवींद्र सदन स्टेशन के बीच चल रही एक ट्रेन में हुई। मेट्रो रेलवे के अधिकारी ने बताया कि बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी के कारण ट्रेन रुकने के बाद, यात्रियों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि सुबह 8:46 बजे सेवाएं सामान्य रूप से बहाल हो गईं।

सीकर नागरिक परिषद ने सामान्य चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) की ओर से रविवार को कैनाल रोड, मैदान, हेस्टिंग्स में नुक्कड़ सामान्य चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 152 मरीजों की सामान्य चिकित्सा जांच की गई, जिसमें ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, वजन और पल्स की जांच शामिल रही। जरूरत के अनुसार मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

शिविर के दौरान सभी मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया, जिसमें 140 मरीज चश्मे योग्य पाए गए। इनमें से 108 मरीजों को मौके पर ही चश्मे उपलब्ध कराए गए, जबकि शेष को शीघ्र चश्मे देने की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा तीन मरीजों को नेत्र ऑपरेशन (आईओएल) के लिए उपयुक्त पाया गया, जिनका ऑपरेशन जल्द कराने की योजना है। मरीजों को सामान्य एवं नेत्र संबंधी दवाइयों के साथ बिस्कुट और नमकीन भी वितरित किए गए।

परिषद के संयोजक रतन कुमार सीकरिया एवं राखाल राय ने बताया कि परिषद द्वारा सामाजिक सेवा के अंतर्गत सुंदरवन के बक्खाली स्थित लख्खीपुर गांव में 100 जरूरतमंदों को कंबल तथा प्रोर्बल्क आश्रम के 100 बच्चों को कॉपी, पेंसिल एवं पेंसिल बॉक्स वितरित किए गए। परिषद अध्यक्ष एमिरेट्स ने कहा कि जनसेवा ही परिषद का संकल्प और सबसे बड़ी उपलब्धि है। सचिव रवि शंकर सीकरिया ने बताया कि यह परिषद द्वारा आयोजित 106वां सेवा शिविर था। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिषद निरंतर सेवा और समर्पण भाव से जनकल्याण कार्य कर रही है। बढ़ती ठंड को देखते हुए सीकर भवन के पास प्रतिदिन सुबह राहगीरों को खिचड़ी, चाय और बिस्कुट वितरित किए जा रहे हैं। शिविर की सफलता में आदित्य विक्रम बियानी, आशिष चौधरी, अंकित चौधरी, गोपाल सीकरिया, डॉ. सुशील सिंह, राखाल राय सहित उनकी सहयोगी टीम और स्थानीय कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

कोलकाता में आयोजित हुआ इंडो-पैसिफिक पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

कोलकाता : कोलकाता स्थित थिंक टैंक, द टैगोर इंस्टीट्यूट ऑफ पीस स्टडीज (टिप्स) और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के पब्लिक पॉलिसी एंड रिसर्च डिवीजन द्वारा संयुक्त रूप से कोलकाता में आयोजित हुआ इंडो-पैसिफिक पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। राजदूत, अनिल वाधवा, आईएफएस, (सेवानिवृत्त) ने कहा कि भारत के लिए, इंडो-पैसिफिक अब विदेशी रणनीतिक शब्दावली से लिया गया कोई बाहरी कॉन्सेप्ट नहीं रहा; यह वह निर्णायक ढांचा बन गया है जिसके माध्यम से नई दिल्ली अपनी सुरक्षा, आर्थिक विकास और अंतर्राष्ट्रीय भूमिका को समझती है। टिप्स के अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने कहा कि यह सेमिनार एक मील का पत्थर साबित हुआ है, जिसमें कोलकाता इस बहुत महत्वपूर्ण सेमिनार की मेजबानी करके एशिया के बौद्धिक चौराहे पर अपनी जगह वापस पा रहा है।

कोट्टी ने टैक्स सेविंग निवेश पर सेमिनार का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : चैंबर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्री (कोट्टी) की ओर से होटल पार्क प्राइम में 'टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य टैक्स कंप्लायंस के साथ सही निवेश के माध्यम से बेहतर रिटर्न प्राप्त करने के तरीकों पर जानकारी देना था। कार्यक्रम की शुरुआत कोट्टी अध्यक्ष महेंद्र जैन के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त आय की चाह सभी को होती है और टैक्स नियमों का पालन करते हुए सरप्लस रकम का सही निवेश करना जरूरी है। उन्होंने इक्विटी में अधिक जोखिम की तुलना में म्यूचुअल फंड और एसआईपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प बताया।

कार्यक्रम का संचालन कोट्टी मंत्री देवेंद्र कुमार बोथरा ने किया। उन्होंने कहा कि कर का बोझ तभी भारी लगता है जब योजना का अभाव होता है। कर बचत कोई चालाकी नहीं,

बल्कि जागरूक नागरिक की पहचान है। सेमिनार में आर्थिक विशेषज्ञ एवं सलाहकार कौशिक मल्लिक, अनिरुद्ध राय और नवीन झाझड़िया ने निवेश और टैक्स प्लानिंग पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिक्स्ड डिपॉजिट, शेयर, म्यूचुअल फंड और प्रॉपर्टी जैसे निवेश विकल्पों से होने वाली आय पर टैक्स का प्रभाव कम करने के लिए सोच-समझकर योजना बनाना आवश्यक है और इसके लिए उपयोगी सुझाव भी साझा किए।

कार्यक्रम में कोट्टी के पूर्व अध्यक्ष अरुण भुवालका, सेमिनार एवं वर्कशॉप कमेटी के चेयरमैन संतोष खेड़िया सहित कार्यकारिणी सदस्य धर्मेंद्र सेठ, सरोज सिंगल, विकास लाखोटिया और राकेश सराफ उपस्थित रहे। अंत में संतोष खेड़िया ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

हावड़ा-कामाख्या के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

आधुनिकता और परंपरा का अनूठा संगम

कोलकाता, समाज्ञा

भारतीय रेलवे द्वारा देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हावड़ा और कामाख्या (गुवाहाटी) के बीच शुरू करने की तैयारी की जा रही है। यह अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन पश्चिम बंगाल की राजधानी को पड़ोसी राज्य असम से जोड़ेगी। प्रधानमंत्री 17 जनवरी को मालदह में आयोजित कार्यक्रम से इस ट्रेन का शुभारंभ करेंगे। यह वंदे भारत स्लीपर ट्रेन 970 किमी की दूरी मात्र 14 घंटे में तय करेगी, जबकि वर्तमान में इस मार्ग पर चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों को 16 से 17 घंटे का समय लगता है। इस प्रकार यात्रियों का लगभग ढाई से तीन घंटे का समय बचेगा। ट्रेन शाम को रवाना होकर अगले दिन सुबह अपने गंतव्य पर पहुंचेगी। यही समय-सारिणी दोनों दिशाओं में लागू होगी।

आधुनिक सुविधाओं से लैस इस स्लीपर ट्रेन में यात्रियों के लिए स्थानीय व्यंजनों की विशेष व्यवस्था भी की गई है। कामाख्या से रवाना होने वाली ट्रेन में यात्रियों को असमिया स्वाद के व्यंजन परोसे जाएंगे, जबकि हावड़ा से चलने वाली ट्रेन में बंगाल के पारंपरिक भोजन का आनंद मिलेगा। स्थानीय खानपान की यह पहल यात्रियों को यात्रा के दौरान घर जैसा अनुभव प्रदान करेगी और आधुनिक रेल यात्रा में भारतीय परंपरा की झलक भी दिखाएगी।

अखिल भारतीय आजमगढ़ सेवा संघ ने गंगासागर मेले के दौरान किया लिट्टी चोखा का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : गंगासागर मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से अखिल भारतीय आज़मगढ़ सेवा संघ द्वारा इस वर्ष भी पारंपरिक लिट्टी चोखा का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्यक्रम मंगलवार को की गई। जानकारी के अनुसार, इस सेवा कार्य में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विभिन्न सेवाएं प्रदान की गई। संघ ने सभी सहयोगी बंधुओं, शुभचिंतकों और समाजसेवियों से अनुरोध किया है कि वे इस मानवीय सेवा कार्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं और सेवा का अवसर प्राप्त करें। समाज

के सहयोग से ही इस सेवा कार्य को और अधिक सुचारु, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सकता है। इस दौरान रामानुज सिंह, के.के. सिंह, राजेंद्र सिंह, यशवंत सिंह, अनिल सिंह एवं समस्त कार्यकारिणी मौजूद रहे।

हिंदू सुरक्षित रहेंगे, तभी विश्व बचेगा : शंकराचार्य निश्चलानंद

❑ कहा... 'बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों का विरोध करें मुसलमान'

❑ सरकारी फंड से मंदिर निर्माण को बताया 'अनुचित'

सागर, समाज्ञा : मकर संक्रांति के अवसर पर पुण्य स्नान के लिए गंगासागर पहुंचे पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में देश, प्रदेश और विदेश से जुड़े कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपने विचार रखे। उन्होंने सर्वप्रथम बांग्लादेश में हो रही हिंसा की कड़ी भर्त्सना की और इस मुद्दे पर भारतीय मुसलमानों की चुप्पी पर सवाल उठाये। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बांग्लादेश और भारत के मुसलमान यह जान लें कि उनके पूर्वज सनातनी हिंदू ही थे। यहां तक कि ईसा मसीह के पूर्वज भी हिंदू थे। शंकराचार्य ने भारतीय हिंदुओं से देशभक्ति का परिचय देने का आह्वान करते हुए कहा कि बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों में समर्थन नहीं, बल्कि विरोध आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हिंदू सुरक्षित रहेंगे, तभी विश्व सुरक्षित रहेगा। बांग्लादेश को लेकर भारत सरकार की भूमिका पर उठ रहे सवालों के जवाब में शंकराचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार अपने स्तर पर आवश्यक कदम उठा रही है। जो किया जाना चाहिए, वह सब हो रहा है। उन्होंने कहा कि हर कार्रवाई सार्वजनिक रूप से बोलकर नहीं की जाती। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि मौजूदा स्थिति का समाधान सद्भावनापूर्ण संवाद के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने स्वयं को राजनीति से दूर रखते हुए कहा कि वह शंकराचार्य हैं और देश में यह पद प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पद से भी ऊपर माना जाता है। ऐसे में वह ऐसा कुछ नहीं कहना चाहते, जिससे सरकार के लिए अमल की बजाय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो।

❑ 'दीघा के जगन्नाथ मंदिर की पुरी से तुलना अनुचित'

शंकराचार्य ने दीघा में जगन्नाथ मंदिर के निर्माण को सराहा। लेकिन, यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा उसकी तुलना पुरी के जगन्नाथ धाम से करना निंदनीय है। उन्होंने बताया कि देश में कुल आठ धाम हैं- अयोध्या, मथुरा, माया (हरिद्वार), काशी, कांची, अवंतिका (उज्जैन), द्वारका और पुरी। इसी क्रम में, उन्होंने राज्य में शिक्षक भर्ती घोटाले की ओर अप्रत्यक्ष संकेत करते हुए व्यंग्य किया कि यदि कोई सरकार स्कूल बंद कर मंदिर बनाती है, तो वह अनुचित है। ऐसे स्थान को धाम नहीं कहा जा सकता। राज्य सरकार द्वारा मुड़ीगंगा नदी पर पुल के शिलान्यास पर शंकराचार्य ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में तपोस्थलियों को पर्यटन केंद्र में बदला जा रहा है, जिससे तीर्थस्थलों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है। उन्होंने बद्रीनाथ और केदारनाथ तक रेल मार्ग को विकास की नयी परिभाषा का उदाहरण बताते हुए कहा कि इससे पर्यटन व्यवसायियों और शासन तंत्र को तो लाभ होता है, लेकिन तपोस्थलियों के लिए यह विकास त्रासदीपूर्ण सिद्ध हो रहा है।

तपसिया में सरकारी बस पलटी, 16 लोग घायल

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में मंगलवार की सुबह पार्क सर्कस से साइंस सिटी जा रही यात्रियों से भरी एक सरकारी बस तिलजला थाना अंतर्गत तपसिया मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए चित्तरंजन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह के व्यस्त समय में बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और तपसिया मोड़ पर पलट गई। बस के पलटते ही अंदर फंसे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार शुरू हो गई। दुर्घटना के बाद बस का मुख्य दरवाजा ऊपर की ओर फंसने के कारण यात्रियों को बाहर निकालना संभव नहीं हो पाया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बस के पीछे का शीशा तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला। हादसे के समय बस के गेट के पास फंसे कंडक्टर को भी सुरक्षित बाहर निकालकर चित्तरंजन अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ या फिर किसी तकनीकी खराबी की वजह से। दुर्घटना के चलते तपसिया मोड़ पर कुछ समय के लिए भारी यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। पलटी हुई बस को हटाकर सड़क को साफ करने का काम जारी है।

गंगासागर मेले में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई,

32 दुकानदारों को नोटिस, कई किलो मिठाइयाँ जब्त

गंगासागर : गंगासागर मेले में श्रद्धालुओं की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग ने सख्त कदम उठाया है। गंदे और अस्वच्छ वातावरण में भोजन तैयार व परोसने के आरोप में 32 दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में मिठाइयाँ जब्त की गई हैं।

डायमंड हार्बर स्वास्थ्य जिले के खाद्य सुरक्षा विभाग ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह से मेला क्षेत्र, स्टेशन परिसर और आसपास के इलाकों में लगातार निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान अब तक 14 किलो मिठाई जब्त की गई है। जांच में सामने आया है कि इन मिठाइयों में जहरीले रासायनिक रंगों का इस्तेमाल किया गया था, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अस्वच्छ तरीके से भोजन बनाने और परोसने पर 32 दुकानदारों को नोटिस दिया गया है। वहीं, फूड लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाण पत्र के बिना कारोबार करने वाले 32 अन्य व्यापारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रखने के संकेत दिए हैं।

सुकांत मजूमदार ने तीर्थयात्रियों के लिए गंगासागर हाउस बनाने की मांग की

सागर, समाज्ञा : पूर्व भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार मंगलवार की सुबह गंगासागर में पवित्र स्नान करने और भाजपा के सेवा दल को लॉन्च करने के लिए निकले। सुकांत मजूमदार सुबह करीब 10 बजे पवित्र स्नान के लिए कचुबेरिया लॉन्च घाट पर उतरे। इसके बाद, उन्होंने सागर मेले के घाट नंबर एक पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ स्नान किया। उन्होंने मेले के रास्ते में सिर्फ मुख्यमंत्री की तस्वीर और पोस्टर लगे होने पर अपना गुस्सा जाहिर किया। सुकांत ने दावा किया कि हालांकि, पार्टी ने बार-बार राज्य सरकार से प्रधानमंत्री की तस्वीर वाला तोरण बनाने की रिक्वेस्ट की थी, लेकिन लोकल बीडीओ ने अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि अगर 40 करोड़ लोग भी आ जाएं, तो भी इस मेले को राष्ट्रीय मेले की पहचान नहीं मिलेगी, क्योंकि यहां प्रधानमंत्री की तस्वीर लगाने की इजाज़त नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हर साल मुख्यमंत्री और उनके भतीजे के पोस्टर गंगासागर में चिपकाए जाते हैं क्योंकि उन्हें उनके अलावा किसी और का चेहरा दिखाना पसंद नहीं है। इसीलिए कल उन्होंने अपनी सरकार के मंत्रियों को बताया कि 4.5 लाख लोग आ रहे हैं। लेकिन हमारे पास जानकारी है कि 30,000 जहाजों के टिकट बिक चुके हैं। इसलिए हमें नहीं पता कि 44.7 लाख लोग नदी के एक तरफ से दूसरी तरफ कैसे उड़ गए। उन्होंने पुल बनाने और भी बहुत कुछ करने का वादा किया, यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन असल में यह कितना आगे जाता है? मैं पिछले साल भी समुद्र में गया था और इस बार भी जाऊंगा। उन्होंने मांग की कि तीर्थयात्रियों के लिए समुद्र में गंगासागर हाउस बनाया जाए। सुकांत मजूमदार ने कहा कि बाबूघाट पर अनुशासनहीनता हर बार की तरह ही है। इसके अलावा, पीने का पानी या रहने की जगह नहीं है। बड़ी संख्या में लोग राज्य के बाहर से यहां आते हैं। लेकिन उन्हें कभी भी ठीक से रहने और खाने की व्यवस्था नहीं की जाती है। केंद्रीय मंत्री ने भी यह मुद्दा उठाया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गंगासागर हाउस क्यों नहीं बनातीं, जबकि हज हाउस बन चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कहती हैं कि हर बार लाखों लोग इकट्ठा होते हैं लेकिन असल में आंकड़े बताते हैं कि गंगासागर में हजारों लोग इकट्ठा हुए हैं।

जौनपुर नागरिक संघ के सेवा शिविर में उप चेयरमैन मनोज तिवारी, महेंद्र प्रताप सिंह, सचिव कमला शंकर शर्मा, कोषाध्यक्ष रामजी मिश्र, संरक्षक ओम प्रकाश तिवारी व राजेश उपाध्याय, संयोजक अशोक यादव, संजय मिश्र संघ के गतिविधियों की जानकारी दे रहे। संघ अध्यक्ष लालमणि मिश्र, संजय कुमार उपाध्याय, संरक्षक रमेश चतुर्वेदी, सुधाकर राय, नरेंद्र तिवारी, राजकुमार गुप्ता, राधेश्याम तिवारी, सूरज उपाध्याय, मोहन मिश्रा, अशोक शर्मा, वेद प्रकाश पाठक, नीरज पाठक, प्रदीप कुमार उपाध्याय, अरविंद कुमार त्रिपाठी, बृजेश आदि कार्यकर्ता कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

775 लोग तीर्थयात्रियों में कंबल वितरण

कोलकाता, समाज्ञा : गंगासागर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सेवा में लगे शिविर में 7 जनवरी से लेकर 13 जनवरी के अंदर कुल 775 कंबल वितरित किए गए। इस दौरान सपन बनर्जी (बाबून बनर्जी), पार्षद विश्वरूप दे, दिल्ली से पहुंचे महाबलेश्वर विनोद भारती, हुगली जिला के वरिष्ठ नेता चितरंजन सिंह, पार्षद कामाख्या नारायण सिंह सभी का स्वागत और अभिनंदन किया। संस्था के अध्यक्ष दारा सिंह सभी तीर्थयात्रियों के बीच में कंबल और छड़ी दिया। कृपा शंकर दुबे, साथ में रत्न बनिक, सूरज तिवारी, मकसूदन शर्मा, विनोद दुबे, गणेश जी शर्मा सत्येंद्र सिंह, शेखर शर्मा, राजकुमार सिंह कमलेश सिंह व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

इंटाली में अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का सरगना समेत दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : अंतरराज्यीय मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के सरगना को पुलिस ने मंगलवार को कोलकाता से गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम अनारुल शेख है। मालदह जिला पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कुख्यात अपराधी को सोमवार को इंटाली थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया। मालदह जिला पुलिस की एक विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कोलकाता पुलिस के साथ मिलकर छापा मारा। काफी देर तक तलाशी के बाद अनारुल को रंगे हाथों पकड़ा गया। मालदह निवासी अनारुल एक बड़े ड्रग तस्करी रैकेट के मुख्य व्यक्तियों में से एक है, जो पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों से मादक पदार्थों के निर्माण के लिए कच्चा माल लाता है, ब्राउन शुगर का उत्पादन करता है और फिर इसकी देश भर में तस्करी करता है। मंगलवार को मालदह जिले के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी ने कहा कि आरोपियों ने मादक पदार्थों की तस्करी के जरिए करोड़ों रुपए कमाए थे। वह लंबे समय से फरार था, और पुलिस को आखिरकार सफलता मिली। अनारुल ही नहीं, बल्कि उसके चाचा भाबलू उर्फ शौकत शेख को भी उसके साथ गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने दावा किया कि अनारुल और भाबलू के प्रयासों के कारण, मणिपुर और असम सहित पूर्वोत्तर के विभिन्न स्थानों से नशीली दवाओं के निर्माण के लिए कच्चा माल पश्चिम बंगाल लाया गया था। आरोपी के बांग्लादेश से संबंध होने की संभावना की भी जांच की जा रही है। यह भी पता चला है कि अनारुल के कई प्रभावशाली व्यक्तियों से भी संबंध हैं।

नए साल में अनन्या पांडे ने बड़े संकल्पों की जगह अपनाई सरल और टिकाऊ आदतें

कोलकाता, समाज्ञा : अभिनेत्री अनन्या पांडे ने 2026 में सादगी और संतुलन को प्राथमिकता दी है। हाल ही में साझा किए गए एक इंस्टाग्राम रील में अनन्या ने नए साल के संकल्पों से जुड़े दबाव और अपेक्षाओं पर खुलकर बात करते हुए छोटे लेकिन असरदार बदलावों को अपनाने का संदेश दिया। रील में अनन्या 'नया साल, नया मैं' जैसी सोच से जुड़ी चिंता का जिक्र करते हुए कहती हैं कि असंभव लक्ष्यों के बजाय रोजमर्रा की अच्छी आदतों पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है। बेहतर नींद, पर्याप्त पानी पीना, नियमित व्यायाम और अपने आहार में कैलिफ़ोर्निया बादाम शामिल करना उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि सुबह की शुरुआत मुट्ठी भर बादाम से करने से उन्हें प्राकृतिक ऊर्जा मिलती है और त्वचा की सेहत भी बेहतर रहती है। रील के अंत में अनन्या ने सभी को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए अधिक जागरूक, संतुलित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

हाई कोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष के काफिले पर हमले की सीबीआई जांच की याचिका स्वीकार की

कोलकाता, समाज्ञा : नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर बीते सप्ताह हुए कथित हमले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग को लेकर दायर याचिका को कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। यह याचिका सोमवार को हाई कोर्ट की एकल पीठ में दाखिल की गई थी। न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष की एकल पीठ ने याचिका को स्वीकार कर लिया है, हालांकि मामले की पहली सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं की गई है। बताया गया है कि 10 जनवरी की देर शाम पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोणा इलाके में शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला हुआ। वह पुरुलिया जिले में एक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कोलकाता लौट रहे थे। शुभेंदु अधिकारी का आरोप है कि चंद्रकोणा रोड मार्केट क्षेत्र के चार रास्तों के चौराहे को पार करने के बाद तृणमूल कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने अचानक सड़क जाम कर दी। उनके अनुसार, हमलावर तृणमूल कांग्रेस के झंडे लिए हुए थे। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी दावा किया कि सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं ने उनके काफिले पर बांस के डंडों से हमला किया और उनकी बुलेटप्रूफ गाड़ी को भी निशाना बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि काफी देर तक हमले के बावजूद स्थानीय पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। किसी तरह मौके से निकलने के बाद शुभेंदु अधिकारी सीधे चंद्रकोणा पुलिस चौकी पहुंचे, जहां उन्होंने जमीन पर बैठकर विरोध जताया।

क्राफ्ट कलेक्टिव ने कोलकाता में पहले शिल्प एवं संस्कृति मंच के आयोजन की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : 'क्राफ्ट कलेक्टिव' ने कोलकाता में अपने पहले शिल्प एवं संस्कृति मंच के आयोजन की घोषणा की है। यह चार दिवसीय मंच 29 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। फाउंडेशन फॉर एमएसएमई क्लस्टर्स (एफएमसी) द्वारा कारू, रेड स्ट्रेटेजी पार्टनर्स और द रेड बारी के सहयोग से आयोजित यह मंच सिस्को इंडिया कैश ग्रांट प्रोग्राम के तहत समर्थित है। इसका उद्देश्य पारंपरिक कारीगर समूहों और समकालीन वैश्विक बाजारों के बीच सेतु का निर्माण करना है। मंच के अंतर्गत प्रदर्शनी, शिल्प बाजार, संवाद सत्र, मास्टरक्लास और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। असम, ओडिशा और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के कारीगर इसमें भाग लेंगे।

हिंदमोटर बंद कारखाने में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

हुगली, समाज्ञा : हिंदमोटर के बंद पड़े कारखाने में नाबालिग से दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीलेश चौधरी और विश्वजीत बेरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी इस मामले के मुख्य आरोपी दीपंकर अधिकारी के करीबी सहयोगी हैं। गौरतलब है कि इस घटना में पहले ही मुख्य आरोपी तृणमूल कर्मी दीपंकर अधिकारी को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा पीड़िता के एक नाबालिग दोस्त को भी हिरासत में लिया गया था। यह घटना 8 जनवरी की बताई जा रही है, जब हिंदमोटर के बंद कारखाने के परित्यक्त क्वार्टर में नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने खुद को सिविक वॉलंटियर बताकर डराया-धमकाया और उसके बाद दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। भाजपा और वाम दल ने आरोप लगाया है कि दीपंकर अधिकारी खुद को तृणमूल युवा नेता बताकर इलाके में धमकी और तस्करी -वसूली करता था, और पुलिस उसे बचाने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा जिले के दिग्गज नेताओं के साथ उसकी तस्वीरें है। हालांकि, पुलिस ने घटना के अगले ही दिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था और अब पांच दिन बाद दो और आरोपियों की गिरफ्तारी से जांच में प्रगति का दावा किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार दोनों आरोपियों को कल श्रीरामपुर अदालत में पेश किया जाएगा।

मगही संघ का दो दिवसीय गंगासागर सेवा शिविर सम्पन्न

हावड़ा, समाज्ञा : मगही मगध नागरिक संघ के तरफ से हावड़ा स्टेशन परिसर में दो दिवसीय गंगासागर तीर्थयात्रियों के लिये नि:शुल्क सेवा शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस कुमार सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय कमिटी के सभी पदाधिकारियों के अथक परिश्रम से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में संघ के महासचिव उदय शर्मा, कोषाध्यक्ष विजय सिंह, उपाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा राजकुमार सिंह, उप सचिव बिगेनद्र सिंह, रामोतार राम, संगठन सचिव संकेत शर्मा, बिरेन्द्र शर्मा, प्रचार सचिव बिक्रम सिंह, मनोज शर्मा, उपदेष्टा केदारनाथ सिंह, चमारी शर्मा, सत्येंद्र सिंह, अर्जुन वर्मा आदि सदस्यों ने तीन सिफ्ट में बारी-बारी से रात दिन तीर्थयात्रियों को सेवा और सहयोग किया जो बहुत ही सराहनीय कार्य है।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी विद्यालय में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई स्वामी विवेकानंद जयंती

कोलकाता, समाज्ञा : श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी विद्यालय के परिसर में स्वामी विवेकानंद जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन कक्षा 12 की छात्रा फरजाना खान ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई, जिसमें विद्यालय के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र नाहर, प्रधानाध्यापिका पूनम सिंह सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पुष्प अर्पित कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, विचारों और आदर्शों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर फरजाना खान (कक्षा 12), संजना साव एवं वरिषा मशहूद (कक्षा 11) तथा नमन अग्रवाल (कक्षा 8) ने प्रभावशाली भाषण देकर उनके राष्ट्रप्रेम, आध्यात्मिक चिंतन और युवाओं के प्रति संदेश को रेखांकित किया।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए शिक्षक सोमेन भट्टाचार्य ने स्वामी विवेकानंद के जीवन-परिचय पर प्रकाश डालते हुए उनके व्यक्तित्व, कर्तव्यबोध और आत्मविश्वास के महत्व को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय अध्यक्ष प्रकाश चंद्र नाहर ने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेकर आत्मविश्वास, अनुशासन और परिश्रम को अपनाने का संदेश दिया। समापन अवसर पर कक्षा 6 के विद्यार्थियों द्वारा स्वामी विवेकानंद से संबंधित चित्र प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई, जिसे सभी ने सराहा। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बंगाल में जमाखोरी के खिलाफ कार्रवाई में 10,000 क्विंटल कच्चा जूट जब्त

कोलकाता, समाज्ञा

जूट कमिश्नर के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि उसने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई के तहत राज्य के कई जिलों से करीब 10,000 क्विंटल कच्चा जूट जब्त किया है। यह जब्ती जूट और जूट टेक्सटाइल कंट्रोल ऑर्डर, 2016 के तहत की गई, क्योंकि कुछ व्यापारी, बेलर और स्टॉकिस्ट नकली तरीके से कीमतें बढ़ाने के लिए कच्चे जूट की जमाखोरी कर रहे थे। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, जब्त किया गया स्टॉक मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तरी 24 परगना और नादिया जिलों के 16 गोदामों से बरामद किया गया था, और यह जूट कमिश्नर द्वारा तय की गई कानूनी स्टॉक सीमा से ज़्यादा पाया गया। इस कार्रवाई का मकसद मिलों को कच्चे जूट की बराबर आपूर्ति सुनिश्चित करना और जूट मिल मजदूरों की रोजी-रोटी बचाना था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि जूट कमिश्नर ने कथित जमाखोरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है, जिसमें पश्चिम बंगाल पुलिस की क्रियान्वयन शाखा में एफआईआर दर्ज करने के लिए शिकायत दर्ज कराना भी शामिल है। जब्ती की रिपोर्ट, संबंधित जिला मजिस्ट्रेट को भी भेज दी गई है, जिन्हें सामान जब्त करने का अधिकार है। हालांकि, उद्योग के अंशधारकों ने चेतावनी दी है कि इस कार्रवाई से जूट मिलों के सामने कच्चे माल का मौजूदा संकट और बढ़ सकता है।

विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल में लगना चाहिए राष्ट्रपति शासन : कबीर शंकर बोस

हुगली, समाज्ञा : जिले के उत्तरपाड़ा स्थित दुर्गेश नंदिनी गेस्ट हाउस में आयोजित एक प्रेस वार्ता में बैरिस्टर एवं भाजपा के लोकसभा चुनाव 2024 के उम्मीदवार कबीर शंकर बोस ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और अपराधियों को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का संरक्षण प्राप्त है।

कबीर शंकर बोस ने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं पर अत्याचार और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मालदा और मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को उन्होंने इसका ज्वलंत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इसके बाद कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालय में ईडी के साथ हुआ दुर्व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि राज्य में संवैधानिक संस्थाएं भी सुरक्षित नहीं हैं। हालिया हिन्दमोटर में हुई दुष्कर्म को लेकर उन्होंने कहा कि जब तक पीड़िता को न्याय नहीं मिलता भाजपा लड़ाई लड़ते रहेगी। आगे उन्होंने कहा कि आगामी 18 जनवरी को देश के पीएम मोदी सिंगुर में जनसभा करेंगे। बंगाल में बदलाव की लहर है। भाजपा सत्ता में आते ही फिर से बंगाल उद्योग की जननी कहलायेगा।

कहा कि राष्ट्रपति शासन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसका अंतिम निर्णय राष्ट्रपति द्वारा लिया जाता है, लेकिन एक आम नागरिक होने के नाते उनका मानना है कि विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू होना चाहिए। कबीर शंकर बोस ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में आम नागरिक, विशेषकर हिंदू समाज, सुरक्षित नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार एक विशेष समुदाय को संरक्षण दे रही है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीशों को भी डिस्टर्ब किया जा रहा है। उनका कहना था कि जब राज्य में हाईकोर्ट ही सुरक्षित नहीं है, तो आम जनता की सुरक्षा की कल्पना कैसे की जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को भी बंगाल में निशाना बनाया गया, जिसके चलते उन्हें केंद्रीय सुरक्षा प्रदान करनी पड़ी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर जैसी संवैधानिक प्रक्रिया के दौरान बीएलओ और बीएलए पर हमले किए गए। सीएए-एनआरसी के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने साफ किया था कि किसी भी भारतीय नागरिक या वैध शरणार्थी को देश से बाहर नहीं निकाला जाएगा, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को बचाने के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाया, जिससे देश की सुरक्षा दांव पर लग गई। मुख्यमंत्री पर संवैधानिक मर्यादा तोड़ने का आरोप कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और मामला फिलहाल विचाराधीन है, उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक संवैधानिक पद पर रहते हुए उन्होंने चल रही जांच में हस्तक्षेप किया, जो अभूतपूर्व है। ईडी के छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री मौके पर पहुंचीं और वहां से एक फाइल हटाई गई, जिससे यह सवाल उठता है कि उस फाइल में ऐसा क्या था जिसे छिपाने की जरूरत पड़ी।

उन्होंने आरोप लगाया कि आई-पैक कार्यालय में कोयला घोटाले से जुड़े 20 करोड़ हवाला के जरिए पहुंचे, और इसी कारण मुख्यमंत्री घबराई हुई नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि मुख्य सचिव का मौके पर पहुंचना प्रशासनिक हस्तक्षेप का स्पष्ट संकेत है।

जागृति हावड़ा के गंगासागर सेवा शिविर में पहुंचे मंत्री अरुप राय का स्वागत करते विजय साव व तरुण साव एवं मौके पर अध्यक्ष पवन अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, सचिव महेंद्र साव व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

वार्ड 15 में उन्नोयेन पांचाली कार्यक्रम के तहत मानिकतला की विधायक सुप्ति पांडे और वर्ड अध्यक्ष तापश रॉय उपस्थित।

कन्नौज में प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

कन्नौज (उप्र): कन्नौज जिले के ठठिया थाना पुलिस ने लोगों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने के आरोप में मंगलवार को तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। नगर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अभिषेक प्रताप अजय ने बताया कि आरोपी करसाह गांव में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को बहला-फुसलाकर हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि गांव में बिना अनुमति के एक चर्च का निर्माण भी किया गया है। पुलिस के अनुसार, तिर्वा थाना क्षेत्र के लोहामड़ गांव के निवासी अन्नू बाबू ने आठ दिसंबर को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी।

झारखंड के बोकारो में छह अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरफ्तार

बोकारो: झारखंड के बोकारो जिले में पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 13 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक हरविंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार को मिली सूचना के आधार पर चिरा चास थाना क्षेत्र के अंतर्गत वैष्णवी कॉम्प्लेक्स में छापा मारकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों में से पांच बिहार के रहने वाले हैं, जबकि एक झारखंड के जमशेदपुर का निवासी है। पुलिस के अनुसार, एक आरोपी के खिलाफ बिहार के विभिन्न थानों में पहले से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारियों के बाद सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जयपुर में सेना दिवस परेड का आखिरी भव्य अभ्यास, झांकी में दिखी ऑपरेशन सिंदूर की झलक

जयपुर: जयपुर में 15 जनवरी को होने वाली सेना दिवस परेड को लेकर मंगलवार को महल रोड (जगतपुरा) पर आखिरी 'फुल ड्रेस' अभ्यास हुआ। हेलिकॉप्टर फ्लाई पास्ट के साथ इसकी शुरुआत हुई। अभ्यास देखने के लिए सुबह आठ बजे ही आमजन पहुंच गए जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स और युवा शामिल थे। परेड के दौरान भारतीय सेना के 'टॉरनेडो' दल के जवानों ने मोटरसाइकलों पर करतब दिखाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। सात मोटरसाइकिल पर सवार 32 जवानों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर हैरतअंगेज करतब दिखाए।

योगी की चेतावनी- अगर महिलाओं के खिलाफ अपराध किया तो होगी यमराज से मुलाकात

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि महिलाएं भयमुक्त वातावरण में शिक्षण संस्थान और बाजार जा सकें तथा चेतावनी दी कि अगर किसी गुंडे ने दुस्साहस किया तो अगले चौराहे पर उसकी मुलाकात यमराज से होगी। गोरखपुर महोत्सव को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने हर नौजवान को रोजगार, किसान को सम्मान और हर व्यापारी और उद्यमी को भय मुक्त वातावरण दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि युवतियां भयमुक्त वातावरण में स्कूल-कॉलेज और बाजार जा सकें तथा हंसते हुए आगे बढ़ें। उन्होंने चेतावनी दी, अगर किसी गुंडे ने दुस्साहस किया तो उस गुंडे के लिए अगले चौराहे पर यमराज उसका टिकट काटने

के लिए जरूर बैठा होगा। आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 'जापानी इंसेफेलाइटिस' (दिमागी बुखार) बीमारी को लेकर कहा कि राज्य की पिछली सरकारें जो नहीं कर पाईं, उनकी सरकार ने मात्र दो साल में कर दिखाया और इस बीमारी का हमेशा के लिए खात्मा कर दिया। उन्होंने कहा, जब आज के गोरखपुर की तुलना 2017 से पहले के गोरखपुर से करेंगे, तो आपको ज़मीन-आसमान का फर्क नज़र आएगा... 2017 से पहले का गोरखपुर उपेक्षित, असुरक्षित था। जिस तरह पूरे राज्य में अशांति थी, वही हाल गोरखपुर का भी था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां गुंडागर्दी, बदमाशों द्वारा जबरन वसूली, गंदगी, विकास का अभाव, बिजली की कमी और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियां फैली हुई थीं। उन्होंने दावा किया कि मच्छर और माफिया एक दूसरे के पूरक थे । आदित्यनाथ ने कहा, जब समाज स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं होता, चाहे वह गांवों, कस्बों, शहरों की स्वच्छता हो या सामाजिक स्वच्छता, तो उसे स्वयं इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

आतंकवाद से निपटने को राजस्थान पुलिस सतर्क: डीजीपी राजीव कुमार शर्मा

जयपुर: राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने आतंकवाद को एक गंभीर चुनौती बताते हुए मंगलवार को कहा कि इससे निपटने के लिए राजस्थान पुलिस पूरी तरह सतर्क है। यहां राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'आतंकवाद एक गंभीर और वैश्विक चुनौती है, जिससे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए निरंतर सतर्कता, उच्च स्तरीय तैयारी और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों को आतंकवाद विरोधी अभियानों के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जाता रहा है।

न्यूज अपडेट

देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे अल्पसंख्यक समाज: रीजीजू

लखनऊ: केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने अल्पसंख्यक समाज से देश के विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए मंगलवार को कहा कि इसके बिना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। रीजीजू ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तर प्रदेश द्वारा यहां आयोजित 'अल्पसंख्यक स्नेह संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में नरेन्द्र मोदी और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार किसी भी समाज, जाति या वर्ग के साथ भेदभाव किए बिना सर्व समाज के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी समुदाय को अलग-थलग रखकर विकसित भारत की परिकल्पना नहीं की जा सकती। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मैं नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में आप सभी अल्पसंख्यक समाज के लोगों और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधि हूं। इसलिए मैं आप सभी से विशेष रूप से यह आग्रह करने आया हूं कि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए अपनी भागीदारी और जिम्मेदारी सुनिश्चित करें।' उन्होंने कहा, 'आप लोगों की भागीदारी के बिना विकसित भारत बनाने का प्रधानमंत्री का सपना पूरा नहीं हो पाएगा।'' रीजीजू ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज यदि संपूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से प्रयास करें तो भारत को सशक्त व विकसित बनाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

जेब में सांप लेकर अस्पताल पहुंचा ई-रिक्शा चालक

मथुरा : मथुरा जिले में हुई एक अजीबोगरीब घटना में एक ई-रिक्शा चालक अपनी जैकेट की जेब में सांप लेकर जिला अस्पताल पहुंच गया। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर नीरज अग्रवाल ने मंगलवार को बताया कि मथुरा नगर का निवासी ई-रिक्शा चालक दीपक (39) सोमवार को अपनी जेब में करीब डेढ़ फुट लम्बा सांप लेकर अस्पताल में आया और कहा कि इसी सांप ने उसे काटा है लिहाजा उसे 'एंटी वेनम इंजेक्शन' (जहर के प्रभाव से बचाने वाला इंजेक्शन) लगाया जाए। उन्होंने बताया कि दीपक से कहा गया कि वह सांप को अस्पताल के बाहर छोड़कर आये क्योंकि इससे दूसरे मरीजों को खतरा हो सकता है और उसके नहीं मानने पर पुलिस को बुलाया गया, जिसने सांप को एक डिब्बे में बंद कर दिया। अग्रवाल ने बताया कि उसके बाद दीपक को 'एंटी वेनम इंजेक्शन' दिया गया और वह अपने घर चला गया। हालांकि उन्हें शक था कि सांप दीपक का ही था। इस बीच, सोशल मीडिया मंच पर घटना का एक वीडियो भी प्रसारित हो रहा है। वीडियो में अस्पताल के अंदर कोई व्यक्ति कथित रूप से दीपक से पूछ रहा है कि उसके साथ क्या हुआ है। इस पर दीपक कहता है कि उसे सांप ने काट लिया था। वह लगभग आधे घंटे पहले अस्पताल पहुंचा था। वीडियो में जब उससे पूछा गया कि सांप कहां है, तो उसने अपनी जैकेट की चेन खोली, और सवाल पूछने वाले व्यक्ति को सांप दिखाया।

संभल में पांच बीघा तालाब पर अवैध कब्जे की पैमाइश शुरू

संभल : संभल तहसील के सराय तरीन कस्बे में कथित रूप से पांच बीघा सरकारी तालाब को पाटकर बनाये गये 40 मकानों की पैमाइश मंगलवार को शुरू कर दी। नायब तहसीदार दीपक जुरैल की अगुवाई में शुरू की गयी इस कार्रवाई में राजस्व विभाग की 25 सदस्यीय टीम और पांच थानों की पुलिस तैनात रही। जुरैल ने बताया कि सराय तरीन के वाजिदपुर सराय में गाटा संख्या 332 के बारे में शिकायत मिली थी कि कुछ लोगों ने तालाब पर अतिक्रमण करके उन्हें पाटकर मकान बना लिये हैं जिसके बाद आज राजस्व विभाग की 25 सदस्यीय टीम सम्बन्धित जमीन की पैमाईश के लिए आई है। इसमें शामिल लेखपाल और कानूनगो नपाई का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अतिक्रमित तालाब का रकबा 3320 वर्ग मीटर है जो लगभग पांच बीघा है और इस पर 40 मकान बने हैं जिसकी पैमाइश के बाद सम्बन्धित मकान मालिकों को नोटिस जारी किये जाएंगे। नायब तहसीदार ने कहा कि प्रभावित लोग अदालत में अपना पक्ष रखेंगे और अदालत द्वारा बेदखली के आदेश के बाद ही कार्यवाही की जाएगी। स्थानीय निवासी मोहम्मद इमरान कुरैशी ने बताया, ''हम यहां के पुराने निवासी हैं। यहां लोग 100 साल से भी ज्यादा वक्त से रह रहे हैं।

बिहार: तेज प्रताप यादव उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के 'चूड़ा दही' भोज में पहुंचे

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद के उनसे अलग रह रहे बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा यहां आयोजित 'चूड़ा दही' भोज में शिरकत की। राजद से निष्कासन के बाद अपनी नई पार्टी जनशक्ति जनता दल बनाने वाले पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव का सिन्हा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यादव ने कुछ दिन पहले उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की थी और उन्हें 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर अपने आवास पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया था। सिन्हा द्वारा आयोजित 'चूड़ा दही' भोज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा तथा मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में अपनी सीट गंवा चुके यादव से जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या वह राजग में शामिल होने की योजना बना रहे हैं, तो उन्होंने कहा, हमारी राजनीतिक विचारधाराएं भले अलग हों, लेकिन हमारी सांस्कृतिक विरासत एक है।

दो बच्चों के लापता होने पर भाजपा ने निकाला मार्च, कलेक्ट्रेट कार्यालय पर दिया धरना

रांची: रांची के धुर्वा इलाके से दो बच्चों के लापता होने के बाद विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को रांची में विरोध मार्च निकाला। जानकारी के अनुसार, दो जनवरी को चार और पांच वर्षीय दो बच्चे अपने घर के पास एक किराना दुकान पर गए थे, जिसके बाद से वे लापता हैं। इस घटना के विरोध में भाजपा के विधायकों सहित पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से मार्च शुरू किया और राज्य की झामुमो (झारखंड मुक्ति मोर्चा) नीत सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कलेक्टरेट परिसर स्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के कार्यालय तक पहुंचे और वहां धरने पर बैठ गए। भाजपा की 'महानगर' इकाई के अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा, राज्य की राजधानी पॉश इलाके, जहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय स्थित है और जहां से राज्य के विकास की कार्ययोजना बनाई जाती है, वहां से दो बच्चे लापता हो गए। घटना के 12 दिन बीत जाने के बाद भी बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है।

बिहार में बुजुर्गों को अब घर पर मिलेगी जमीन/फ्लैट की रजिस्ट्री की सुविधा: नीतीश

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य के 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को उनके घर पर ही जमीन या फ्लैट की निबंधन (रजिस्ट्री) सुविधा उपलब्ध कराने का ऐलान किया। यह सुविधा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा संचालित चलंत निबंधन इकाई (मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट) के माध्यम से निश्चित समय-सीमा के भीतर प्रदान की जाएगी, जिसमें आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह नयी व्यवस्था एक अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि कई बार यह देखा गया है कि 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को जमीन या फ्लैट की रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों के निष्पादन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी के मद्देनजर उन्हें सहूलियत देने और अनावश्यक परेशानियों से बचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जमीन खरीदने के इच्छुक लोगों को कई बार संबंधित भूमि की अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती। इसे ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्री से पूर्व भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी क्रेता और विक्रेता दोनों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके तहत आवेदकों के अनुरोध पर निबंधन विभाग अंचल कार्यालय से भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर क्रेता को उपलब्ध कराएगा। इससे आवेदकों को जमीन के बारे में सही और प्रामाणिक जानकारी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 नवंबर 2025 को राज्य में नयी सरकार के गठन के बाद 'सात निश्चय-3' कार्यक्रमों को लागू किया गया है, जिनका उद्देश्य बिहार को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है। 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत सातवां निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' (ईज ऑफ लिविंग) है, जिसका मुख्य मकसद राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को और अधिक सरल बनाना है। इसी दिशा में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं।

मकर संक्रांति के लिए संगम तट पर व्यापक तैयारियां, एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

प्रयागराज: प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित माघ मेले के दूसरे स्नान पर्व मकर संक्रांति के लिए स्नान घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं और मेला प्रशासन का अनुमान है कि 15 जनवरी को मकर संक्रांति स्नान पर्व पर एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के स्नान के लिए पहुंच सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई थी। अब मेला प्रशासन मकर संक्रांति स्नान पर्व की तैयारियों में जुट गया है। उन्होंने बताया कि माघ मेला-2024 में इस पर्व पर 28.95 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया था, लेकिन इस बार लगभग तीन गुना अधिक श्रद्धालुओं के

आगमन के अनुमान को देखते हुए मेला प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन की व्यापक योजना तैयार की है। मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि भीड़ प्रबंधन और सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए इस बार 42 अस्थायी पार्किंग तैयारक की गई हैं, जिनमें एक लाख से अधिक वाहन खड़े किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 के लिए कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है, जहां वस्त्र बदलने के कक्ष, पुआल, शौचालय सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। मेला अधिकारी के अनुसार, माघ मेले के दौरान गंगा में पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कानपुर स्थित गंगा बैराज से प्रतिदिन 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

नए वर्ष की शुरूआत

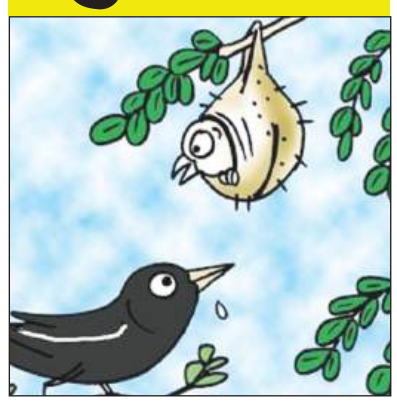

नरेन्द्र देवांगन

सूरज की किरणें अभी ठीक से पंकजवन में आई भी नहीं थीं कि चारों ओर जश्न का माहौल सा छा गया। सबसे पहले तो कलियां खिलखिला कर खिल उठीं और फिर उन पर भौरों का झुंड मंडराने लगा।

कौए ने घोंसले से सिर निकाल कर देखा। गौरैया सवेरे-सवेरे उड़ती हुई कहीं जा रही थी। कौए ने आवाज लगाई, 'बहन, सारे लोग नए वर्ष का स्वागत कर रहे हैं, तुम कहां जा रही हो? नए वर्ष की शुभकामनाएं तो लेती जाओ।'

'तुम्हें भी नव वर्ष की ढेर सारी शुभकामनाएं, भैया। मैं भी नए वर्ष का ही स्वागत करने जा रही हूं।' गौरैया ने कहा।

रास्ते में चूहों का झुंड नए वर्ष को सैलिब्रेट कर रहा था। सभी चूहे मधुर संगीत पर कमर मटका कर नाच रहे थे।

गौरैया को तेजी से उड़ते हुए देख वे भी बोल पड़े, 'गौरैया बहन, सवेरे-सवेरे कहां जा रही हो? आओ, हमारे साथ नए वर्ष का जश्न मनाओ।'

'नहीं, आप लोगों के साथ मैं नहीं आ सकती लेकिन मैं भी नए वर्ष की शुरूआत ही करने जा रही हूं।' गौरैया बोली और उड़ चली।

कुछ ही दूरी पर भालुओं का झुंड भी नए वर्ष की खुशी में उछल-कूद कर रहा था। गौरैया को देख कर एक भालू चिल्लाया, 'गौरैया, ओ गौरैया, क्या आज भी दाना चुगने की चिंता में उड़ी जा रही हो। क्या तुम्हें याद नहीं आज नया वर्ष है?'

'याद है, भाई, याद है। मैं भी नए वर्ष की खुशी मनाने दूसरी जगह जा रही हूं।' गौरैया बोलती हुई उड़ती रही।

शेर के गुफा के पास ढेर सारे जानवर नए वर्ष की धूमधाम से शुरूआत कर रहे थे। वहां कई तरह की मिठाइयां भी बन रही थीं। नाचने-गाने का इंतजाम भी था। बाजे-गाजे के साथ सभी झूम-झूम कर जश्न मना रहे थे।

गौरैया को देख शेर ने आवाज लगाई, 'अरी गौरैया, सवेरे-सवेरे कहां जा रही हो? आओ यहां। हम सब नए वर्ष की शुरूआत अच्छे से करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। तुम भी आओ।'

'माफ कीजिए। मैं अपने नए वर्ष की शुरूआत किसी और चीज से करना चाहती हूं। आप सबको नए वर्ष की शुभकामनाएं।' कहती हुई गौरैया उड़ गई।

'क्यों न हम चल कर देख लें, गौरैया क्या कर रही है? बंदर ने राय दी और सब गौरैया के रास्ते चल पड़े।

'अरे, यह क्या? यह गौरैया तो बड़ा अच्छा काम कर रही है। इस नन्हीं चिड़िया की सोच तो देखो, कितनी अच्छी है।' तारीफ करते हुए शेर का चेहरा खिल उठा।

सामने मैदान में गौरैया ढेर सारी चींटियों के झुंड को संबोधित कर रही थी, 'बहनों, तुम में से कई चींटियां गरीबी के कारण पढ़ाई नहीं कर पातीं और स्कूल जाना बंद कर देती हैं। नए वर्ष पर मैंने संकल्प लिया है कि कुछ गरीब चींटियों की पढ़ाई के लिए मदद करूंगी। साथ ही अन्य चिड़ियों और जानवरों को भी प्रेरित करूंगी कि वे तुम्हारी आर्थिक मदद करें।'

यह सुन कर मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कई चींटियों की आंखों से खुशी के आंसू टपकने लगे।

आहट पा कर गौरैया जब मुड़ी तो सब जानवरों को अपने पीछे आंखें फाड़े देखता पाया।

'मैं कुछ गरीब चींटियों का भविष्य संवार कर नए वर्ष की शुरूआत करना चाहती थी, सो मैंने सवेरे से पहले यही काम किया। मैंने सोचा नए वर्ष की इससे अच्छी शुरूआत भला और क्या हो सकती है? गौरैया ने सफाई दी।

'नन्ही सी चिड़िया और सोच कितनी बड़ी। इससे हमें भी कुछ सीखना चाहिए। कुछ क्या, हमें भी हंसने-गाने, बाजा बजाने, पकवान-मिठाई खाने से पहले किसी असहाय, लाचार, गरीब की मदद करने का काम जरूर करना चाहिए। अभी भी वक्त गुजरा नहीं है। चलो, आओ, सबके सब किसी मजबूर का भविष्य संवारने के लिए जुट जाओ। इस तरह हमारी भी नए वर्ष की शुरूआत अच्छी रहेगी।' शेर ने सभी की ओर मुखातिब हो कर कहा।

सभी गौरैया की ओर खुशी से देख रहे थे। (उर्वशी)

चतुर लकड़हारा

भाषणा गुप्ता

एक गांव में एक लकड़हारा था, जो लकड़ियां काटकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। वह रोज सुबह जंगल में जाता और दिन भर लकड़ियां काटता। शाम को लकड़ियों का गट्ठर बांधता व शहर बेचने चल देता और फिर खाने का राशन लेकर घर लौटता।

जंगल में जाते वक्त उसे काफी राहगीर मिलते, जो जंगल के रास्ते दूसरे गांव जाते थे। रोजाना कितने ही राहगीर उससे रास्ता पूछते और वह उन्हें रास्ता बताता।

एक दिन एक राहगीर ऐसा आया, जिसने लकड़हारे से रास्ता पूछने की बजाय उससे पूछा, ''तुम जीवन में क्या चाहते हो?''

लकड़हारे ने आश्चर्य से पीछे मुड़कर देखा तो एक लम्बे कद का बूढ़ापा, जिसकी बड़ी-बड़ी सफेद दाढ़ी, सफेद कपड़े व मुख पर तेज़ था। उसके इस प्रश्न ने लकड़हारे को हैरानी में डाल दिया।

जब लकड़हारे ने उस बूढ़े के प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया तो उसने फिर पूछा, 'बोला, क्या चाहते हो तुम। जितना धन मांगोगे, तुम्हें मिलेगा।'

लकड़हारे ने पूछा, 'कौन हैं आप?'

'मैं इस जंगल का देवता हूं और तुम्हारे काम से बहुत खुश हूं। तुम मेहनती हो, ईमानदार हो, इसलिए मैं तुम्हें इन सबका इनाम देना चाहता हूं। बोलो कितनी दौलत चाहिए तुम्हें।'

लकड़हारे ने जंगल के देवता को हाथ जोड़कर प्रणाम किया व बोला, 'बाबा, धन-दौलत का क्या है, आज है तो कल नहीं। फिर उसका क्या लालच करना।'

'तो फिर अपने बच्चों के लिए अच्छा घर बार मांग लो।'

'नहीं बाबा। मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे मेहनत से काम करें। अगर आप उन्हें अच्छा घरबार दे देंगे तो वे कामचोर हो जाएंगे, इसलिए मैं यह आपसे नहीं मांगूगा।'

'और क्या चाहिए तुम्हें।' बूढ़े ने उत्सुकतापूर्वक पूछा।

'बाबा, मुझे सब्र, संतोष व सुख समृद्धि दीजिए।'

लकड़हारे की यह बात सुनकर जंगल का देवता बोला, 'तुमने तो मुझे ठग लिया। सब कुछ तो मांग लिया। खैर, तुम घर जाओ व सुखी रहो।' (उर्वशी)

वर्तमान ही सच है

आनन्द कुमार अनन्त

लगातार असफलताओं ने महाराज सूर्यभानु सिंह को विचलित कर दिया था। उन्होंने अपने पिता द्वारा संचालित शासित मिथिला राज्य की प्रतिष्ठा को देखा था। पूरे भारत में इसकी ख्याति थी लेकिन अब दिन बदल चुके थे। सूर्यभानु के शासन संभालते ही जैसे सब कुछ बदल गया था। अतीत के गौरव की कहानी के अक्षर अब मिटने लगे थे। अब नगर में जहाँ-तहाँ लूटपाट और हत्याएँ भी होने लगी थीं।

सूर्यभानु प्रतापी थे, साहसी योद्धा थे। उन्हें न्याय और निर्भीकता प्रिय थी। अनेक सदुगों के बावजूद वे प्रजा को अच्छा शासन नहीं दे पा रहे थे। उनके मन में हमेशा एक ही सवाल गूँजता रहता-'आखिर ऐसा क्यों?'

निरन्तर आत्मविश्लेषण के बाद उनके जेहन में तीन सवाल उभरे-'किस कार्य को कब करूँ? कौन सा व्यक्ति सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है तथा कौन-सा कार्य सबसे अधिक महत्वपूर्ण है?'

इन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर में कुशल व्यवस्था का रहस्य छिपा है। यह सत्य बार-बार उनके अन्तः करण में बिजली की तरह कौंध उठता था। अगर इन तीनों बिन्दुओं को ध्यान में रखकर प्रबंध कार्य किया जाए तो सफलता-असफलता में कोई फर्क नहीं रह जाएगा तथा असफलता-सफलता में बदल सकती है। ऐसा उन्हें बार-बार लग रहा था।

किन्तु इन तीनों प्रश्नों का हल कौन करेगा? यह भी एक प्रश्न था। उन्होंने अपने मंत्री एवं सेवक-सामन्तों से विचार-विमर्श किया लेकिन कोई निदान नहीं निकला। तब उन्होंने एक दूसरी तरकीब निकाली और समूचे राज्य में ढिंढोरा पिटवा दिया कि जो व्यक्ति मेरे तीनों सवालों का उत्तर देगा, उसे मुँह-माँगा पुरस्कार दिया जाएगा।

मुँह-माँगा पुरस्कार पाने की लालसा में मिथिला नरेश के समक्ष अनेक अर्थशास्त्री, वैज्ञानिक, सैन्य विशेषज्ञ पहुँचे और अपनी-अपनी राय से अवगत कराया किन्तु महाराज को अपनी समस्याओं का समाधान नहीं मिल पा रहा था।

तभी एक ज्योतिषी राजा के दरबार में पधारे। उन्होंने घड़ी, पल, मास-दिवस की गणना का जाल फैलाया। अपनी गणना करके उन्होंने मिथिला नरेश को सुझाव दिया कि अमुक दिन, अमुक कार्य करना उचित रहेगा। घड़ी-नक्षत्रों के चक्रव्यूह में महाराज को अपना दम घुटता-सा जान पड़ा। उन्हें ज्योतिषी से भारी निराशा हुई।

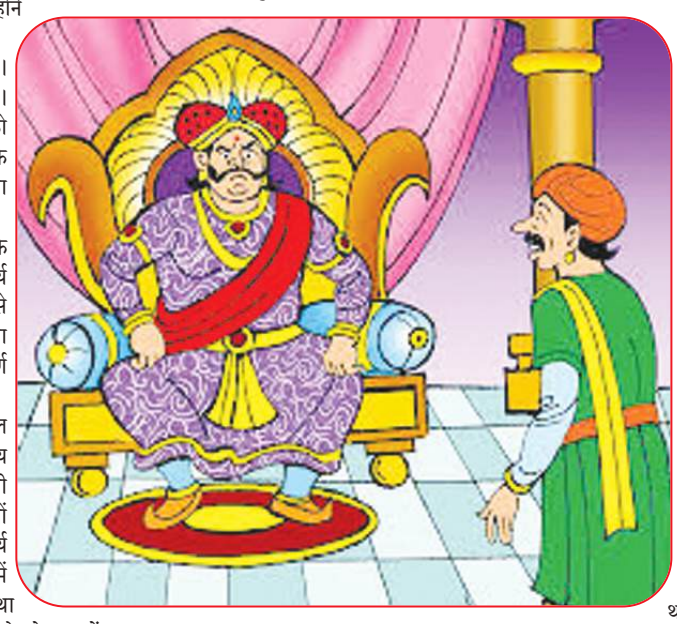

एकदिन किसी दरबारी ने महाराज को बताया कि पास के एक घने वन में एक आध्यात्मिक संत रहते हैं जो चुटकी बजाते ही किसी भी समस्या का समाधान निकाल देते हैं। राजा अपने दल-बल के साथ संत के आश्रम में जा पहुँचे। वहाँ पहुँचकर उन्होंने देखा कि संत कुदाल थामे मिट्टी काट रहे थे। वृद्ध शरीर, पसीने से लथपथ और थकान के कारण वे हाँफ रहे थे।

राजा इस दृश्य को देखकर हतप्रभ रह गए। रूढ़ियों एवं मूढ़ताओं से भरी इस दुनिया में यह व्यक्ति उन्हें अद्भुत लगा। उसके व्यक्तित्व से परिभाषित होता था-'ईश्वर परायण श्रमशील जीवन में ही सच्ची आध्यात्मिकता है।' उन्होंने कुछ पल की चुप्पी के बाद सन्त से अपने तीनों प्रश्न पूछे। सन्त चुप रहे।

ठीक उसी समय एक युवक 'बचाओ-बचाओ' चिल्लाता हुआ उस आश्रम के निकट पहुँचा। युवक की बाँह में ताजा जख्म था जिससे खून टपक रहा था। राजा भागकर उसकी सहायता के लिए उसके पास पहुँचे। युवक गिरकर बेहोश हो चुका था। पट्टी आदि बांधकर राजा ने उसका उपचार किया और मुँह पर पानी छींटकर उसे होश में लाया।

होश में आते ही वह युवक फफक-फफक कर रो पड़ा। उसने कहा-'महाराज, मैं तो आपका शत्रु था और आपकी हत्या के इरादे से झाड़ी में छिपा था किन्तु आपके अंगरक्षकों ने देख लिया और मेरी यह दुर्गति कर डाली।' उसने कुछ रूककर कहा-आपने पिछले वर्ष मेरे बड़े भाई को सिर्फ शक के कारण फांसी की सजा दे दी थी और उसकी सम्पत्ति भी हड़प ली थी। तभी से मैं आपकी जान के पीछे पड़ा था। 'मुझे क्षमा करें।'

मिथिला नरेश ने उसे क्षमा करते हुए अपना दरबारी बना लिया। संत ने कहा-'राजन्, आपके तीनों प्रश्नों का उत्तर तत्काल घटी घटना से ही मिल गया। जब आप मेरे पास आए थे, वही सबसे उत्तम समय था। उस वक्त मैं ही सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति था क्योंकि यदि आप मेरे पास नहीं रूकते और यहाँ से चल देते तो यह युवक आपकी जान ले लेता। सत्यकार्य ही सबसे अहम् है, क्योंकि घायल की रक्षा और सहायता करके आपने पुराने शत्रु को भी मित्र बना लिया।'

संत के उत्तर से राजा पुलकित हो उठे। उन्होंने चरण स्पर्श करते हुए वापस लौटने की आज्ञा मांगी तो उन्होंने सहर्ष अनुमति देते हुए कहा-'महाराज! हमेशा याद रखिए, सबसे उपयुक्त समय वर्तमान ही होता है और सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति वही होता है, जो आपके समक्ष खड़ा होता है, अतः समय को गँवाना नहीं चाहिए।' (उर्वशी)

न्यूज इन ब्रीफ

भ्रष्टाचार रोधी अधिनियम की धारा 17ए पर उच्चतम न्यायालय ने सुनाया खंडित फैसला

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने लोक सेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच शुरू करने से पहले अनुमति लेने से संबंधित, भ्रष्टाचार रोधी कानून के 2018 के प्रावधान की संवैधानिक वैधता पर मंगलवार को खंडित निर्णय सुनाया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे रद्द किया जाना चाहिए जबकि न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने धारा को संवैधानिक मानते हुए ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया। साल 2018 में जोड़ी गई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत सक्षम प्राधिकार की अनुमति के बिना किसी लोकसेवक पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

शबरिमला स्वर्ण चोरी मामला: अदालत ने एसआईटी को मुख्य पुजारी को गिरफ्तार करने की अनुमति दी

कोल्लम (केरल) : केरल के कोल्लम की सतर्कता अदालत ने मंगलवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) को शबरिमला के मुख्य पुजारी कंदरारु राजीवरु को मंदिर के द्वारपालक (संरक्षक देवता) की प्रतिमाओं से सोने की चोरी के मामले में गिरफ्तार करने की अनुमति दे दी। अदालत ने यह आदेश विशेष जांच दल द्वारा अभियोजक सिजू राजन के माध्यम से दायर किए गए आवेदन पर दिया। राजीवरु को पिछले सप्ताह भगवान अयप्पा मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के चौखट से सोना चोरी होने के मामले में हिरासत में लिया गया था। केरल उच्च न्यायालय द्वारा मंदिर के द्वारपालक की प्रतिमाओं और गर्भगृह की चौखट से सोने की चोरी की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने के बाद से यह इस मामले में 11वीं गिरफ्तारी है।

आबकारी मामला: केजरीवाल को जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई 8 मई को

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई के लिए मंगलवार को 8 मई की तारीख तय की। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने निर्देश दिया कि इस बीच मामले से संबंधित अधीनस्थ अदालत के रिकॉर्ड को मंगवाया जाए। मामले की सुनवाई शुरू होने पर, केजरीवाल के वकील ने न्यायाधीश से अनुरोध किया कि इस वक्त वरिष्ठ वकील के उपलब्ध नहीं रहने को ध्यान में रखते हुए सुनवाई कुछ समय बाद की जाए।

नियुक्ति संबंधी निर्णय लालू के आधिकारिक कामकाज का हिस्सा नहीं : सीबीआई

नयी दिल्ली : जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में प्राथमिकी रद्द करने की पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद की याचिका का विरोध करते हुए, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को उच्च न्यायालय में कहा कि रेलवे में नियुक्तियों के संबंध में राजद प्रमुख ने जो निर्णय लिये थे, वे मंत्री के तौर पर उनके सार्वजनिक कर्तव्य के दायरे में नहीं आते और केवल महाप्रबंधक ही ऐसा निर्णय ले सकते है। सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा के समक्ष तर्क दिया कि लालू के खिलाफ कार्यवाही के वास्ते भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की धारा 17ए के तहत पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उनके आचरण को उनके आधिकारिक कार्यों या कर्तव्यों के निर्वहन के दायरे में नहीं माना जा सकता है।

आयुर्वेद शिक्षण संस्थानों की मान्यता के लिये नया पोर्टल शुरू

नयी दिल्ली : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 'आयुर्वेद गुरुकुल संबद्धता पोर्टल' की मंगलवार को शुरुआत की, जिसके जरिए देशभर के आयुर्वेद शिक्षण संस्थान मान्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

भारत के सनातन धर्म और संस्कृति को मिटाना आसान नहीं : अमित शाह

अहमदाबाद : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बार-बार किए गए विनाश के प्रयासों के बावजूद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का उदाहरण देते हुए मंगलवार को कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और लोगों की आस्था को मिटाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि मंदिर पर हमला करने वाले लोग अंततः मिट गए, लेकिन मंदिर आज भी गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में समुद्र तट पर उसी स्थान पर शान से खड़ा है। गांधीनगर जिले के मानसा में 267 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद शाह एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का उद्घाटन किया था। महमूद गजनी ने 1,000 वर्ष पहले सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला किया था। शाह ने कहा कि 1000 साल बाद और 16 बार नष्ट होने के बावजूद, सोमनाथ मंदिर अभी भी शान से खड़ा है और उसका ध्वज आसमान में लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि वहां एक भव्य सोमनाथ कॉरिडोर का निर्माण भी किया जा रहा है। शाह ने कहा, ''यह पूरी दुनिया को संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और भारतीय लोगों की आस्था को मिटाना इतना आसान नहीं है। यह सूर्य और चंद्रमा की तरह शाश्वत और अमर है। यह सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गौरव का प्रतीक है।'' शाह ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पूरे एक वर्ष तक मनाया जाएगा। इस दौरान देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य भारत की आत्मा को झकझोरना, उसकी चेतना को जागृत करना और सनातन धर्म की जड़ों को समाज के सबसे गहरे स्तर तक मजबूत करना है। उन्होंने कहा, ''लगभग एक हजार वर्ष पहले हमारे भव्य सोमनाथ मंदिर को महमूद गजनी ने ध्वस्त किया था। इसके बाद अलाउद्दीन खिलजी, अहमद शाह, महमूद बेगड़ा और औरंगजेब जैसे अन्य आक्रमणकारियों ने भी इस पर बार-बार हमले किए। लेकिन हर बार इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया।''

बीएसएल-4 प्रयोगशाला खतरनाक वायरस के परीक्षण के लिए विदेशों पर निर्भरता खत्म कर देगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को गांधीनगर में गुजरात जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र की बीएसएल-4 जैव नियंत्रण इकाई की आधारशिला रखी और कहा कि भारत खतरनाक वायरस के नमूनों के परीक्षण के लिए विदेशों पर निर्भर नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि इस इकाई के शुरू होने के बाद नमूनों की जांच भी तेज हो जाएगी। शाह ने बताया कि भारत की 1.4 अरब की आबादी के बावजूद, देश में अब तक पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) में केवल एक ही बीएसएल-4 प्रयोगशाला थी, जिसके कारण नमूनों को जांच के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर भेजना पड़ता था। उन्होंने कहा कि गुजरात जैव सुरक्षा स्तर-4 (बीएसएल-4) प्रयोगशाला स्थापित करने वाला पहला राज्य बन गया है, जो अत्यधिक संक्रामक और घातक वायरस से निपटने के लिए आवश्यक जैव सुरक्षा रोकथाम का उच्चतम स्तर है, जिनके लिए कोई टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है।

मकर संक्रांति 2026: उत्सव में कैलिफोर्निया बादाम के साथ सेहत और स्वाद का संतुलन

कोलकाता, समाज्ञा : मकर संक्रांति का पर्व देशभर में नई फसल, लंबे दिनों और सकारात्मक ऊर्जा के आगमन का प्रतीक माना जाता है। पोंगल, लोहड़ी, उत्तरायण और माघ बिहू जैसे विभिन्न रूपों में मनाया जाने वाला यह त्योहार पारंपरिक व्यंजनों और मिठाइयों से जुड़ा होता है। ऐसे में उत्सव के साथ पोषण का संतुलन बनाए रखने के लिए कैलिफोर्निया बादाम को शामिल करना एक स्वस्थ विकल्प बनकर उभर रहा है। प्रोटीन, हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर बादाम ऊर्जा बढ़ाने, इम्यूनिटी को सपोर्ट करने और लंबे समय तक तृप्ति देने में सहायक होते हैं। इस अवसर पर मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली की रीजनल हेड-डायटेटिक्स रितिका समद्दार ने कहा, मकर संक्रांति के पारंपरिक व्यंजन अहम हैं, लेकिन समझदारी से चुने गए छोटे बदलाव सेहत को बेहतर बना सकते हैं। बादाम पोषक तत्वों से भरपूर हैं और कार्बोहाइड्रेट-युक्त भोजन के साथ लेने पर ब्लड शुगर संतुलित रखने में मदद करते हैं। लड्डू, नमकीन व्यंजन या साबुत रूप में रोज़ाना मुट्ठी भर कैलिफ़ोर्निया बादाम त्योहार को पौष्टिक बना सकते हैं।

मोदी की डिग्री से जुड़े मानहानि मामले में केजरीवाल, संजय सिंह की याचिका खारिज

अहमदाबाद : गुजरात उच्च न्यायालय ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं-- अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह की उन अपीलों को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री के बारे में टिप्पणियां करने पर मानहानि के मामले में अलग-अलग सुनवाई की उनकी याचिका को खारिज करने के निचली अदालतों के आदेशों को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति एम आर मेंगडे की एकल पीठ ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य सिंह की याचिकाएं खारिज कर दीं। दोनों ने शहर की सत्र अदालतों द्वारा उनके आवेदनों को खारिज किए जाने के बाद उच्च न्यायालय का रुख किया था। गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री के संबंध में दोनों आप नेताओं द्वारा विश्वविद्यालय के खिलाफ दिए गए 'व्यंग्यात्मक और अपमानजनक' बयानों का हवाला देते हुए मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

उत्तराखंड में 2025 में प्राकृतिक आपदाओं से 15,103 करोड़ रु. का आर्थिक नुकसान, रिपोर्ट केंद्र को भेजी

देहरादून : उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2025 में राज्य में आई विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं में हुए नुकसान की आपदा पश्चात आवश्यकता आकलन (पीडीएमए) रिपोर्ट तैयार कर केंद्र को भेज दी है जिसमें समग्र आर्थिक प्रभाव 15,103.52 करोड़ रुपये आंका गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) को भेजी गई इस रिपोर्ट में आपदाओं के कारण सामाजिक, अवसंरचना, उत्पादक और अन्य क्षेत्रों में हुए नुकसान, पुनर्वास और पुनर्निर्माण आवश्यकताओं का विस्तृत और क्षेत्रवार आकलन प्रस्तुत किया गया है। देश में उत्तराखंड अकेला ऐसा राज्य है, जहां पहली बार पूरे प्रदेश की आपदा पश्चात आवश्यकता आकलन रिपोर्ट तैयार की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में आंके गए कुल 15,103.52 करोड़ रुपये के समग्र आर्थिक प्रभाव में से 3,792.38 करोड़ रुपये की प्रत्यक्ष क्षति, 312.19 करोड़ रुपये की हानि और 10,998.95 करोड़ रुपये की पुनर्वास, पुनर्निर्माण और बेहतर निर्माण की आवश्यकता शामिल हैं।

गोवा कार्निवल उत्सव 14 फरवरी से शुरू होगा

पणजी : गोवा कार्निवल 14 फरवरी से शुरू होगा। यह कार्निवल तटीय राज्य के सबसे जीवंत सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है और रंगारंग जुलूसों और झांकी परेडों के लिए लोकप्रिय है। परंपरागत रूप से इसकी अगुवाई राजा मोमो करते हैं। अत्यंत उत्साह के साथ मनाया जाने वाला यह कार्निवल गोवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उत्सव की भावना का प्रतीक है। राज्य पर्यटन विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उत्सव का आरंभ 13 फरवरी को पणजी के पास पोरवोरिम में पारंपरिक उद्घाटन समारोह के साथ होगा। लैटिन अमेरिका के कई उत्सवों में किंग मोमो को कार्निवल का राजा माना जाता है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पर्यटन मंत्री रोहन खुंटे और अन्य लोग 14 फरवरी को पणजी में औपचारिक कार्निवल परेड को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

महादेव ऐप मामला: ईडी ने रवि उप्पल की दुबई स्थित संपत्ति समेत नयी संपत्तियों को कुर्क किया

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने ''अवैध'' महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में फरार प्रमुख प्रवर्तकों में से एक रवि उप्पल सहित विभिन्न आरोपियों की लगभग 21 करोड़ रुपये की नयी संपत्ति कुर्क की है। इस मामले में छत्तीसगढ़ के कई बड़े राजनीतिक नेताओं और नौकरशाहों की कथित संलिप्तता बताई जाती है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 10 जनवरी को एक अंतरिम आदेश जारी किया गया। पिछले हफ्ते, ईडी ने इसी तरह का एक आदेश जारी कर महादेव ऑनलाइन बुक (एमओबी) नामक ऐप के एक अन्य मुख्य प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर तथा कुछ अन्य लोगों की संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि नवीनतम आदेश के तहत, दुबई के एट्रीया रा में स्थित उप्पल की 6.75 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली गई है। इसने कहा कि जिन अन्य लोगों पर इसी तरह की कार्रवाई की गई है, उनमें चंद्राकर का ''करीबी सहयोगी'' रजत कुमार सिंह भी शामिल है। ईडी ने कहा कि उसने ऐप के विभिन्न पैनल से लगभग 15-20 करोड़ रुपये कमाए और भिलाई (छत्तीसगढ़) तथा दुबई में स्थित उसकी संपत्तियों को कुर्क कर लिया गया है। इसने यह भी कहा कि भारत में रहने वाले सौरभ आहूजा और विशाल रमानी, विनय कुमार, हनी सिंह, लकी गोयल और राजा गुप्ता की संपत्तियों को भी कुर्क कर लिया गया है।

सोलन में इमारत में लगी आग के बाद से लापता छह नेपाली नागरिकों की तलाश में जुटी एनडीआरएफ

शिमला : हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के अर्की बाजार में रविवार रात लगी भीषण आग के बाद से लापता छह नेपाली नागरिकों की तलाश के लिए जारी अभियान में मंगलवार को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और श्वान दस्ता भी शामिल हो गया। इन नागरिकों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आग से वह चार मंजिला इमारत पूरी तरह नष्ट हो गई जिसमें ये प्रवासी परिवार रह रहे थे। आग से आसपास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। इस अग्निकांड में अब तक आठ वर्षीय बच्चे सहित तीन लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जबकि अन्य दो के जले हुए और क्षत-विक्षत अवशेष घटनास्थल से बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि मलबे की भारी मात्रा के कारण तलाश अभियान में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया कि घटना के तुरंत बाद से ही जिला प्रशासन, पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, होम गार्ड और अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर मौजूद हैं जबकि मंगलवार सुबह राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और श्वान दल को भी अभियान में सहायता के लिए शामिल किया गया।

सरकार चलाने वाले लोकतांत्रिक ढांचे और जनता की आवाज पर कर रहे हैं हमला : राहुल गांधी

उदगमंडलम : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता की आवाज पर केंद्र सरकार चलाने वालों द्वारा हमला किया जा रहा है। गुडलूर में एक स्कूल के कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे गांधी ने छात्रों के साथ बातचीत में कहा कि वह एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहते हैं जहाँ लोग एक-दूसरे के प्रति दयालु हों, एक-दूसरे की बात सुनें, एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करें, एक-दूसरे की भाषाओं का सम्मान करें, एक-दूसरे के धर्मों का सम्मान करें और एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति रखें। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक नेता, छात्र या शिक्षक के लिए सबसे महत्वपूर्ण मूल्य विनम्रता है, और ''इसलिए मैं यहां उपस्थित सभी बच्चों को विनम्र रहने की सलाह दूंगा।'' इस अवसर पर एक छात्र द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र का अर्थ है कि आपको अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए, मुझे अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए, इन सभी लोगों को अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मैं कहता आ रहा हूँ कि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला हो रहा है और इसलिए हमारी आवाज़, हमारे लोगों की आवाज़ पर हमला हो रहा है। और यह हमला सरकार में बैठे लोगों द्वारा किया जा रहा है। उन लोगों द्वारा जो वास्तव में सरकार चला रहे हैं।'' गांधी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और कई अन्य संस्थानों पर हमला हो रहा है। उन्होंने कहा, ''वे उन लोगों को धमका रहे हैं जो उनकी विचारधारा से सहमत नहीं हैं। इसलिए, हमें आप जैसे बहादुर, आत्मविश्वासी और सवाल पूछने से न डरने वाले युवाओं की जरूरत है।''

मकरविलक्कु उत्सव: शबरिमला मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 2000 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

पथनमथिट्टा (केरल) : शबरिमला में स्थित भगवान अयप्पा मंदिर में अगामी वार्षिक मकरविलक्कु उत्सव के मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस साल बुधवार को आयोजित होने वाले मकरविलक्कु उत्सव को लेकर मंदिर का प्रबंधन संभालने वाले त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) ने मंगलवार को बताया कि उत्सव के दिन मंदिर के आसपास लगभग 2,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, मकरविलक्कु के दिन सन्निधानम (मंदिर परिसर) में प्रवेश की सीमा तय की गई है। इसके तहत 'आभासी कतार प्रणाली' (वर्चुअल क्यू सिस्टम) के माध्यम से 30,000 और 'स्पॉट बुकिंग' (तत्काल बुकिंग) के जरिए 5,000 तीर्थयात्रियों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई है। टीडीबी द्वारा जारी बयान के अनुसार, बुधवार पूर्वाह्न 10 बजे से निलक्कल से पंपा की ओर और पूर्वाह्न 11 बजे से पंपा से सन्निधानम की ओर तीर्थयात्रियों की आवाजाही रोक दी जाएगी। बयान में कहा गया है कि भगवान अयप्पा को अर्पित किए जाने वाले आभूषणों को ले जाने के लिए निकाली जाने वाली 'थिरुवाभरणम' शोभायात्रा कड़ी सुरक्षा के बीच शाम लगभग 5:30 बजे पारंपरिक मार्ग पर पहुंचेगी। इसके मकरविलक्कु दिवस यानी बुधवार शाम लगभग 6:20 बजे सन्निधानम पहुंचने की उम्मीद है।

वंदे भारत स्लीपर में नहीं होगी आरएसी, न्यूनतम किराया 400 किमी के लिए लागू होगा : रेलवे बोर्ड

नयी दिल्ली : रेलवे बोर्ड ने एक परिपत्र में कहा है कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में आरएसी या आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा और न्यूनतम 400 किलोमीटर की दूरी के लिये शुल्क लगेगा। रेलवे बोर्ड ने एक परिपत्र में यह जानकारी दी। वंदे भारत ट्रेन के पहले शयनयान संस्करण को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 जनवरी को गुवाहाटी-कोलकाता मार्ग पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक जनवरी, 2026 को दोनों स्टेशनों के बीच एसी 1, एसी 2 और एसी 3 - तीनों श्रेणियों के लिए संभावित किरायों की घोषणा की थी। नौ जनवरी को जारी परिपत्र में किराया संरचना का विस्तृत विवरण दिया गया है, जिसके अनुसार एक यात्री को एसी 1, एसी 2 और एसी 3 श्रेणियों में क्रमशः 1,520 रुपये, 1,240 रुपये और 960 रुपये का भुगतान करना होगा, चाहे यात्रा की दूरी एक किमी से 400 किमी के बीच कितनी भी हो। परिपत्र के अनुसार, 400 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए, शुल्क की गणना प्रति किलोमीटर के आधार पर की जाएगी, जिसमें एसी 1 के लिए 3.20 रुपये, एसी 2 के लिए 3.10 रुपये और एसी 3 के लिए 2.40 रुपये होंगे। बोर्ड के परिपत्र में कहा गया, लागू होने पर माल एवं सेवा कर अलग से लगाया जाएगा। न्यूनतम शुल्क योग्य दूरी 400 किमी होगी। किराया मौजूदा नियमानुसार पूर्णांक (राउंड ऑफ) किया जाएगा। इस ट्रेन के लिए केवल कन्फर्म टिकट ही जारी किए जाएंगे। तदनुसार, 'रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन'(आरएसी)/प्रतीक्षा सूची/आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा। इसमें आगे कहा गया है, समय-समय पर जारी मौजूदा निर्देशों के अनुसार केवल महिला आरक्षण, दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के लिए आरक्षण, वरिष्ठ नागरिक आरक्षण और ड्यूटी पास आरक्षण ही लागू होगा। इस ट्रेन में कोई अन्य आरक्षण कोटा लागू नहीं होगा। बर्थ आवंटन के संदर्भ में इसमें कहा गया, यदि कोई यात्री ऐसे बच्चे के साथ यात्रा कर रहा है जिसके लिए अलग बर्थ की आवश्यकता नहीं है, तो सिस्टम उपलब्धता के आधार पर नीचे की बर्थ आवंटित करेगा। 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुष यात्रियों और 45 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला यात्रियों के लिए, सिस्टम उपलब्धता और सीटों की संख्या के आधार पर स्वचालित रूप से नीचे की बर्थ आवंटित करने का प्रयास करेगा।

कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए राज्यों को भारी मुआवजा देने का निर्देश देंगे : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाने पर मंगलवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि वह कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए राज्यों को ''भारी मुआवजा'' देने का आदेश देगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए कुत्ता प्रेमियों और उन्हें खाना देने वालों को भी जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, ''कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों की मृत्यु या चोट के हर मामले के लिए हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा देने को कहेंगे क्योंकि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नियमों के कार्यान्वयन के संबंध में कुछ नहीं किया है। साथ ही, इन आवारा कुत्तों को खाना देने वालों की भी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है तो आप उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? ये कुत्ते इधर-उधर क्यों घूमते हैं? लोगों को काटते हैं और डराते हैं।''

उपभोक्ता न्याय को तेज करने के लिए डिजिटल सुधारों पर जोर, पटना में पूर्वी राज्यों की क्षेत्रीय कार्यशाला

नई दिल्ली : पभोक्ता मामलों के विभाग, भारत सरकार ने मंगलवार को बिहार की राजधानी पटना में पूर्वी भारत के राज्यों के लिए उपभोक्ता संरक्षण पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के वरिष्ठ अधिकारी, उपभोक्ता आयोगों के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य उपभोक्ता मामलों में लंबित प्रकरणों को कम करना, आयोगों के आदेशों के अनुपालन में सुधार लाना और डिजिटल साधनों के माध्यम से त्वरित न्याय सुनिश्चित करना रहा।कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपभोक्ता मामलों की सचिव श्रीमती निधि खरे ने कहा कि सरकार उपभोक्ता न्याय प्रणाली को आधुनिक और पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल सुधारों को तेजी से लागू कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच 2.0) को एक प्रभावी प्री-लिटिगेशन मंच बताते हुए कहा कि यह बहुभाषी सुविधा, ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने और तकनीक आधारित त्वरित समाधान प्रदान करता है।उन्होंने ई-जागृति (कॉनफोनेट 2.0) के राष्ट्रव्यापी क्रियान्वयन की जानकारी देते हुए बताया कि यह उपभोक्ता आयोगों के लिए एक एकीकृत डिजिटल मंच है, जिसमें ई-दाखिल, ऑनलाइन केस प्रबंधन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डेटा डैशबोर्ड और एआई आधारित उपकरण शामिल हैं। इससे मामलों के निपटारे में तेजी आएगी और निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने विशेष रूप से पूर्वी राज्यों के ग्रामीण और दूरदराज़ इलाकों में डिजिटल प्लेटफॉर्म के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया।श्रीमती खरे ने कृषि और मूल्य स्थिरता के मुद्दे पर भी प्रकाश डालते हुए दालों के घरेलू उत्पादन और खरीद को मजबूत करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्य में दालों की खेती और संरचित खरीद की अपार संभावनाएं हैं।

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, किसी भी दुस्साहस से प्रभावी तरीके से निपटा जाएगा: सेना प्रमुख

नयी दिल्ली : सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है और दुश्मन के किसी भी दुस्साहस से माकूल तरीके से निपटा जाएगा। सेना प्रमुख ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर हालात स्थिर हैं, लेकिन इस पर लगातार नजर रखने की ज़रूरत है। ऑपरेशन सिंदूर के अलग-अलग पहलुओं के बारे में विस्तार से बात करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि इससे रणनीतिक सोच को फिर से तैयार करने में मदद मिली, क्योंकि भारतीय सेना ने आतंकी ढांचे को खत्म करने और इस्लामाबाद की 'लंबे समय से चली आ रही परमाणु बयानबाजी' को धता बताने के लिए अंदर तक हमला किया। उन्होंने कहा, ''जैसा कि आप जानते होंगे, ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, और भविष्य में किसी भी दुस्साहस का दृढ़ता से जवाब दिया जाएगा।''

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में तलाश अभियान के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनी गई

जम्मू कश्मीर में कठुआ जिले के एक दूरस्थ गांव में आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों द्वारा तलाश अभियान शुरू किए जाने के बाद मंगलवार को गोलीबारी की आवाज सुनी गई। अधिकारियों के अनुसार, कहोग वन क्षेत्र के कमाध नाले से लगभग 10 किलोमीटर दूर बिलवार के नजोते वन क्षेत्र से रुक-रुककर गोलीबारी की सूचना मिली है। कहोग में सात जनवरी को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को देखकर कुछ गोलियां चलाईं, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने जंगल के काफी अंदर जाकर उन्हें मार गिराने के लिए जवाबी कार्रवाई की।

विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने संन्यास लिया

ओटावा: विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। राओनिच 2016 में विंबलडन में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कनाडा के पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने सेमीफाइनल में रोजर फेडरर को 6-3, 6-7, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया था लेकिन फाइनल में एंडी मरे से हार गए थे। उस वर्ष उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। वह उस वर्ष अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग तीन पर भी पहुंचे थे। राओनिच ने एक्स पर लिखा, 'अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं।' अपनी तीखी सर्विस के कारण 'मिसाइल' नाम पाने वाले राओनिच ने 2011 में पेशेवर बनने के बाद आठ एटीपी एकल खिताब जीते।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ श्रृंखला जीत के इरादे से उतरेगी आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम

राजकोट: विराट कोहली की शानदार फॉर्म के दम पर आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां खेले जाने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त बना ली है।हालांकि टीम इंडिया कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही है। वाशिंगटन सुंदर पहले मैच में चोटिल होकर वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए, जबकि ऋषभ पंत पहले ही चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर हैं। चयनकर्ताओं ने आयुष बडोनी और ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया है। मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति को देखते हुए ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है।पहले वनडे में विराट कोहली ने 91 गेंदों पर 93 रन की शानदार पारी खेलकर भारत की जीत की नींव रखी थी। वह शतक से चूक गए, लेकिन उनकी पारी ने टीम को मजबूती दी। कप्तान शुभमन गिल ने अर्धशतक लगाया, जबकि श्रेयस अय्यर 49 रन बनाकर दुर्भाग्यशाली रहे। रोहित शर्मा से एक बार फिर तेज शुरुआत की उम्मीद होगी।भारतीय बल्लेबाजी क्रम की तुलना में न्यूजीलैंड का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आ रहा है, जिसका फायदा मेजबान टीम उठाना चाहेगी। भारत को हालांकि अपनी स्पिन गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है। वहीं, पहले मैच में हार के बावजूद न्यूजीलैंड की टीम को काइल जैमीसन और शीर्ष क्रम की साझेदारी से आत्मविश्वास मिला है।मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे शुरू होगा।

दिल्ली को हराकर विदर्भ विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

बेंगलुरु: पिछले सत्र के उपविजेता विदर्भ ने अनुशासित और ऑलराउंड खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली को 76 रन से हराकर मंगलवार को यहां विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विदर्भ सेमीफाइनल में कर्नाटक का सामना करेगा। पिछले सत्र में इन दोनों टीमों के बीच फाइनल खेला गया था। सौराष्ट्र शुक्रवार को होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल में पंजाब का सामना करेगा। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 300 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर बनाया। उसकी तरफ से यश राठौड़ ने 86 और सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे ने 62 रन का योगदान दिया। इसके जवाब में दिल्ली की टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर आउट हो गई। उसे कप्तान ऋषभ पंत और उप कप्तान आयुष बडोनी की कमी खली। पंत चोटिल है जबकि बडोनी को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उनके अनुपस्थिति में दिल्ली के बल्लेबाजों को विदर्भ के तेज और स्पिन मिश्रित आक्रमण के सामने संघर्ष करना पड़ा। विदर्भ की तरफ से तेज गेंदबाज नचिकेत भूटे ने 7.1 ओवर में 51 रन देकर चार विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर और कप्तान हर्ष दुबे ने भी नौ ओवरों में 36 रन देकर तीन विकेट लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जबकि नई गेंद के गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने 54 रन देकर दो विकेट लेकर उपयोगी योगदान दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज अनुज रावत ने दिल्ली के लिए अकेले संघर्ष करते हुए 98 गेंदों पर 66 रन बनाए, लेकिन यह टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त नहीं था। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रावत ने शीर्ष और मध्य क्रम के लड़खड़ाने के बाद पारी को संभालने की कोशिश की और मयंक गुसांई (18), हर्ष त्यागी (27) और ऋतिक शोकीन (21) के साथ उपयोगी रन जोड़े। लेकिन नियमित अंतराल में विकेट गंवाने के कारण उनका प्रयास कामयाब नहीं रहा। दिल्ली को 64 गेंदों में 98 रन चाहिए थे और चार विकेट शेष थे। रावत आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने के प्रयास में आउट हो गए। इसके बाद दिल्ली की पारी को सिमटने में देर नहीं लगी। इससे पहले विदर्भ ने सलामी बल्लेबाज अमन मोखाडे (06) के जल्दी आउट होने के बाद तायडे (72 गेंदों में 62 रन) और ध्रुव शोरे (71 गेंदों में 49 रन) के बीच दूसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी से अच्छी वापसी की। दिल्ली के कप्तान इशांत शर्मा ने तायडे को बोल्ड करके लिस्ट ए क्रिकेट में अपना 200वां विकेट लिया। इशांत के अलावा दिल्ली की तरफ से नवदीप सैनी और प्रिंस यादव ने भी दो-दो विकेट लिए।

आयुष को हराकर लक्ष्य इंडिया ओपन के दूसरे दौर में, सात्विक-चिराग को वाकओवर

नयी दिल्ली: भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने यो-नेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 सुपर 750 टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए हमवतन आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वर्ष 2022 के चैंपियन लक्ष्य ने आईजी स्टेडियम में खेले गए पहले दौर के मुकाबले में आयुष को महज 36 मिनट में 21-12, 21-15 से शिकस्त दी। आयुष पहली बार इंडिया ओपन में खेल रहे थे।मैच में लक्ष्य ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया। पहले गेम में उन्होंने दमदार स्मैश और नेट पर सटीक खेल के सहारे 11-3 की बढ़त बना ली। आयुष ने कुछ हद तक वापसी की कोशिश की, लेकिन लक्ष्य ने आसानी से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में आयुष ने आक्रामक शुरुआत करते हुए बढ़त बनाई, पर लक्ष्य ने जल्द ही लय पकड़ ली और निर्णायक क्षणों में दबाव बनाए रखते हुए मैच समाप्त किया।लक्ष्य अगले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से भिड़ेंगे। वहीं, पुरुष युगल में तीसरी वरीय भारतीय जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को अमेरिकी जोड़ी के हटने के कारण वाकओवर मिला और वे भी दूसरे दौर में पहुंच गए। टूर्नामेंट में बुधवार को पीवी सिंधू, एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देगी एलिसा हीली

सिडनी: ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों में से एक एलिसा हीली मार्च में भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। यह 35 वर्षीय खिलाड़ी भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाली तीन वनडे और एकमात्र महिला टेस्ट मैच की श्रृंखला में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी। हीली भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला में नहीं खेलेंगी क्योंकि वह इस साल ब्रिटेन में होने वाले टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगी। महिला क्रिकेट की सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक हीली ने बयान में कहा, 'भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी श्रृंखला होगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा जुनून अभी भी बरकरार है, लेकिन मेरे अंदर वह प्रतिस्पर्धात्मक भावना कुछ हद तक कम हो गई है जिसने मुझे शुरुआत से ही प्रेरित किया है, इसलिए यह संन्यास लेने का सही समय लगता है।' उन्होंने कहा, 'यह जानते हुए कि मैं इस साल टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाऊंगी और टीम के पास तैयारी के लिए सीमित समय है, मैं भारत के खिलाफ टी20 मैचों का हिस्सा नहीं रहूंगी। लेकिन मुझे घरेलू मैदान पर अपना करियर समाप्त करने और भारत के खिलाफ वनडे और टेस्ट टीम की कप्तानी का अवसर मिलने से बहुत खुशी है। यह हमारे लिए इस कैलेंडर वर्ष की सबसे बड़ी श्रृंखलाओं में से एक है।'

हरमनप्रीत कौर की नाबाद पारी के दम पर मुंबई इंडियंस ने गुजरात जाइंट्स को हराया

नवी मुंबई : भारत की विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 71 रन की मदद से मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग के मैच में मंगलवार को गुजरात जाइंट्स को सात विकेट से हराया। यह गुजरात जाइंट्स की टूर्नामेंट में पहली हार थी। इससे पहले निचले क्रम पर भारती फुलमाली और जॉर्जिया वेयरहैम की आक्रामक पारियों के दम पर गुजरात जाइंट्स ने पांच विकेट पर 192 रन बनाये थे। जीत के लिये कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए हरमनप्रीत ने 33 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो टूर्नामेंट में उनका दसवां अर्धशतक था। इसके साथ ही उन्होंने डब्ल्यूपीएल में एक हजार रन भी पूरे कर लिये । वह 43 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 71 रन बनाकर नाबाद रही और मुंबई ने चार गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की।

बीसीबी ने स्वीकार किया कि आईसीसी भारत से बाहर मैच स्थानांतरित करने को राजी नहीं

ढाका: आईसीसी ने मंगलवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से टी20 विश्व कप के उसके मैच भारत से बाहर कराने की मांग पर पुनर्विचार का अनुरोध किया लेकिन बीसीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं को दोहराते हुए ऐसा करने से इनकार किया है। एक बयान में बीसीबी ने कहा कि बोर्ड का फैसला वही है हालांकि आईसीसी ने उसका अनुरोध मानने से इनकार कर दिया है। इसने कहा कि दोनों पक्ष संभावित हल तलाशना जारी रखेंगे। बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि सुरक्षा कारणों से विश्व कप के उसके मैच भारत के बाहर कराये जायें लेकिन चूंकि सात फरवरी से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप का कार्यक्रम तय हो चुका है, लिहाजा आईसीसी ने इस पर स्वीकृति नहीं दी है। बीसीबी ने कहा,'आईसीसी ने कहा है कि टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है और बीसीबी से फैसले पर पुनर्विचार के लिये कहा है लेकिन बोर्ड का फैसला नहीं बदलेगा। दोनों पक्ष इसका हल तलाशना जारी रखने पर सहमत हो गए हैं।' बयान में कहा गया ,'बीसीबी अपने खिलाड़ियों, अधिकारियों और स्टाफ के हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है और आईसीसी से इस मसले पर बातचीत भी जारी रखेगी।' बीसीबी का कहना है कि उसके खिलाड़ियों का भारत जाना सुरक्षित नहीं है लेकिन आईसीसी की जोखिम आकलन रिपोर्ट में टीम को किसी तरह के खतरे की ओर इंगित नहीं किया गया है।

ट्रंप डब्ल्यूईएफ दावोस बैठक में शामिल होंगे, भारत से भी होगा बड़ा प्रतिनिधिमंडल

नयी दिल्ली: विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के आयोजकों ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पांच कैबिनेट सदस्यों के साथ स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट शहर दावोस में मंच की वार्षिक बैठक में शामिल होंगे। इसके साथ ही इस शिखर सम्मेलन में भारत की ओर से भी एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि कम से कम 64 देशों के शासनाध्यक्ष या राष्ट्राध्यक्ष वहां मौजूद रहेंगे, जबकि सात में छह जी-7 देशों का प्रतिनिधित्व उनके शीर्ष नेतृत्व द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में चीन और पाकिस्तान के बड़े प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होंगे। डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष और सीईओ बोर्गे ब्रेंडे ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि 18 जनवरी से शुरू होने वाली इस पांच दिवसीय वार्षिक बैठक में यूक्रेन, गाजा और वेनेजुएला सहित लातिन अमेरिका की स्थिति पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस का एक बड़ा द्विपक्षीय प्रतिनिधिमंडल और राज्यों के गवर्नर भी इस बैठक में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन 'संवाद की भावना' विषय के तहत किया जा रहा है। ब्रेंडे ने कहा कि दुनिया संभवतः 1945 के बाद से सबसे जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना कर रही है और आज के समय में संवाद बेहद जरूरी है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक : वैष्णव

नयी दिल्ली: केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश से इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इस वर्ष चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने के बाद इसमें और वृद्धि होने की उम्मीद है। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और निर्यात करीब 3.3 लाख करोड़ रुपये का रहा। वैष्णव ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच पर जानकारी दी, 'इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया जिससे रोजगार सृजित हुए और विदेशी मुद्रा हासिल हुई। 2026 में भी यह गति जारी रहेगी क्योंकि चार सेमीकंडक्टर संयंत्र व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर देंगे।' देश के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में वर्तमान में मोबाइल फोन उद्योग का वर्चस्व है। उद्योग जगत के अनुमानों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में 25 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। मंत्री ने एक रिपोर्ट साझा की जिसमें बताया गया कि भारत से आईफोन का निर्यात 2025 में 2.03 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह वर्ष 2024 में एप्पल द्वारा निर्यात किए गए 1.1 लाख करोड़ रुपये से करीब दोगुना है। मोबाइल विनिर्माताओं के उद्योग निकाय 'इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन' के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक देश में मोबाइल फोन का उत्पादन 75 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 6.76 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचने की उम्मीद है। इसमें 30 अरब अमेरिकी डॉलर या करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये का निर्यात शामिल होगा। देश में 2024-25 में 5.5 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल फोन का उत्पादन हुआ और इस क्षेत्र से निर्यात लगभग दो लाख करोड़ रुपये का रहा। बाजार अनुसंधान एवं विश्लेषण कंपनी काउंटरपॉइंट के सह-संस्थापक तथा अनुसंधान उपाध्यक्ष नील शाह ने कहा कि चीन पर अमेरिकी शुल्क के बाद अपने विनिर्माण का विस्तार करके और भारत से निर्यात को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाकर एप्पल, भारत की सफलता का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया है।

न्यूज अपडेट

यूपीआई उपयोगकर्ता आधार दोगुने से अधिक होकर एक अरब तक पहुंच सकता: आरबीआई डिप्टी गवर्नर

नयी दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने मंगलवार को कहा कि देश में डिजिटल भुगतान के विस्तार की बहुत अधिक गुंजाइश हैं। उन्होंने कहा कि यूपीआई में अपने मौजूदा 40 करोड़ के आधार से दोगुने से अधिक होकर 100 करोड़ उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने की क्षमता है। दुनिया के कुल खुदरा भुगतान लेनदेन का लगभग 50 प्रतिशत भारत में होता है, लेकिन इसके बावजूद प्रति व्यक्ति डिजिटल लेनदेन की संख्या के मामले में भारत को अभी कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की बराबरी करनी है। केन्या का उदाहरण देते हुए आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा कि केन्या में प्रति व्यक्ति डिजिटल लेनदेन भारत की तुलना में लगभग दोगुना है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई), जो आरबीआई द्वारा प्रवर्तित संस्था है और जिसने यूपीआई बनाया है, उसने 2016 में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए मुख्य मंच पेश करने के कुछ ही महीनों के भीतर फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए यूएसएसडी आधारित सेवा शुरू की थी।

चीन ने ईरान के साथ व्यापार संबंधी ट्रंप की धमकी पर जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

बीजिंग: ईरान से तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन ने इस्लामिक देश के साथ कारोबार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा पर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताते हुए जवाबी कदम उठाने की चेतावनी दी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने ट्रंप की इस घोषणा पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, शुल्क युद्ध में कोई भी विजेता नहीं होता है और चीन अपने वैध एवं कानूनी अधिकारों और हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा। इससे पहले ट्रंप ने यह ऐलान किया था कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उसे अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत शुल्क देना होगा।

भारत कोकिंग कोल के आईपीओ को 146.81 गुना बोलियां मिलीं

नयी दिल्ली: भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के आईपीओ को मंगलवार को बोली के आखिरी दिन 146.81 गुना अभिदान मिला। इसमें निवेशकों की भारी भागीदारी रही। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, 1,071 करोड़ रुपये के आईपीओ के तहत पेश 34,69,46,500 शेयरों के मुकाबले 50,93,44,51,200 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए रखे गए हिस्से को 310.81 गुना अभिदान मिला। गैर-संस्थागत निवेशकों के कोटे को 258.04 गुना और खुदरा वैयक्तिक निवेशकों (आरआईआई) की श्रेणी को 49.26 गुना अभिदान मिला। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड का आईपीओ को शुक्रवार को बोली के लिए खुलने के कुछ ही मिनटों में पूरी तरह अभिदान प्राप्त हो गया था।

वित्त मंत्रालय का बीमा कंपनियों को निर्देश, शिकायतों का समय पर निपटान सुनिश्चित करें

नयी दिल्ली: वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने मंगलवार को सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों से ग्राहकों को कुशल सेवाएं देने के लिए शिकायतों का समय पर समाधान करने और निर्बाध तथा तेजी से दावा प्रसंस्करण सुनिश्चित करने को कहा। वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 की पहली छमाही के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए नागराजू ने यह बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन कंपनियों को लाभदायक व्यवसाय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और बाजार हिस्सेदारी बनाए रखते हुए तथा अपने खुदरा पोर्टफोलियो को लगातार मजबूत करते की रणनीतियां बनानी चाहिए। बैठक में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के सीईओ और प्रबंध निदेशक आर दोरईस्वामी, जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, (जीआईसी) के कार्यकारी निदेशक हितेश जोशी, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की सीएमडी गिरिजा सुब्रमण्यन, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईसीएल) की सीएमडी राजेश्वरी सिंह मुनि और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के सीएमडी बी एस राहुल शामिल हुए।

शेयर बाजार मुनाफावसूली के दबाव में फिसला, सेंसेक्स 250 अंक टूटा

मुंबई: विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक स्तर पर शुल्क से जुड़ी चिंताओं के बीच मुनाफावसूली हावी रहने से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 250 अंक की गिरावट रही जबकि निफ्टी में 58 अंक की कमजोरी आई। कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं से प्रभावित उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तिमाही नतीजों की कमजोर शुरुआत से भी बाजार धारणा दबाव में रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 250.48 अंक यानी 0.30 प्रतिशत गिरकर 83,627.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 615.38 अंक फिसलकर 83,262.79 के स्तर तक आ गया था। वहीं, एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 57.95 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,732.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस ने दिसंबर तिमाही में नए श्रम संहिताओं के एकमुश्त असर के चलते शुद्ध लाभ 13.91 प्रतिशत घटकर 10,657 करोड़ रुपये रह जाने की सूचना दी है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 3,638.40 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,839.32 करोड़ रुपये की खरीदारी की। वैश्विक मोर्चे पर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा से भी निवेशक सतर्क रहे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग चढ़कर बंद हुए जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट नुकसान में रहा। यूरोप के बाजार मिले-जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल 1.86 प्रतिशत बढ़कर 65.06 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

यात्री वाहनों की बीते वर्ष बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली: यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2025 में रिकॉर्ड स्तर पर रही। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती से त्योहारों के दौरान जोरदार मांग इसकी प्रमुख वजह रही। उद्योग संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यात्री वाहनों की कुल थोक बिक्री 2025 में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 44,89,717 इकाई हो गई, जो इससे पिछले वर्ष 42,74,793 इकाई थी। यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 29,54,279 इकाई रही जो 2024 की 27,49,932 इकाई की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है। यात्री कारों की थोक बिक्री मामूली वृद्धि के साथ 13,79,884 इकाई रही जबकि वैन की बिक्री में सालाना आधार पर एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। तिपहिया और वाणिज्यिक वाहन खंडों में भी 2025 में किसी भी वर्ष की तुलना में सर्वाधिक बिक्री दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 7,88,429 इकाई हो गई, जो इससे पिछले साल 2024 में 7,28,670 इकाई थी। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 10,27,877 इकाई पर पहुंच गई, जो इससे पिछले साल 9,54,051 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले वर्ष 2,05,00,639 इकाई रही जो 2024 में दर्ज 1,95,43,093 इकाई की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष शैलेश चन्द्रा ने बयान में कहा, ' भारतीय मोटर वाहन उद्योग के लिए 2025 एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है। वर्ष की शुरुआत धीमी रही और उद्योग आपूर्ति पक्ष की चुनौतियों से जूझता रहा। आयकर राहत, लगातार रेपो दर में कटौती और जीएसटी 2.0 के लागू होने सहित कई संरचनात्मक नीतिगत सुधारों ने सकारात्मक मांग के माहौल की नींव रखी।'' उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से वाहन सुस्ते हुए और इस क्षेत्र को नई गति मिली। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि सभी वाहन श्रेणियों यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया वाहन और दोपहिया वाहन ने 2025-26 की तीसरी तिमाही में पिछले वर्ष की तुलना में दहाई अंकों की वृद्धि के साथ अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। यात्री वाहनों की थोक बिक्री यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर 26.8 प्रतिशत बढ़कर 3,99,216 इकाई रही जो दिसंबर 2024 में 3,14,934 इकाई रही थी। सियाम ने बयान में कहा कि समीक्षाधीन अवधि में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 11,05,565 इकाई के मुकाबले 39 प्रतिशत बढ़कर 15,41,036 इकाई हो गई। तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री 61,924 इकाई रही जो दिसंबर 2024 की 52,733 इकाई की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3473 अंक 283, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in